दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 08 सितंबर 2025
सूर्योदय प्रात: 06:03 बजे
सूर्यास्त सांय 18:35 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 मातृत्व का अपमान: बिहार की राजनीति पर असर

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 324 | गाजियाबाद, सोमवार 08 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

पंजाब में बाढ़ का तांडव, खुद देखेंगे मोदी

● 9 सितंबर को दौरा, बड़े राहत पैकेज का हो सकता है ऐलान ● पंजाब में विनाशकारी बाढ़ ने हर तरफ मचा रखा है हाहाकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में विनाशकारी बाढ़ ने हाहाकार मचा रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक वह 9 सितंबर को पंजाब जाएंगे और बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। पीएम मोदी गुरदासपुर जाकर जमीनी स्तर पर हालात देखेंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़े राहत पैकेज का भी ऐलान कर सकते हैं। बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। पंजाब दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियों तथा मौसमी नालों के उफान के चलते यह स्थिति बनी है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पंजाब में हुई भारी बारिश ने हालात को और गंभीर कर दिया है।

जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पोंग बांध का जलस्तर मामूली घटकर 1,394.19 फुट दर्ज किया गया, हालांकि यह अब भी उसकी अधिकतम सीमा 1,390 फीट से चार फुट ऊपर है। शुक्रवार शाम बांध का जलस्तर 1,394.8 फुट था।

इशिबा शिगेरु का जापान के पीएम पद से इस्तीफा

सदन में अपना बहुमत खोने के बाद लिया फैसला

टोक्यो (एजेंसी)। जापान के प्रधानमंत्री इशिबा शिगेरु ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जापानी ब्रॉडकास्टर एनएचके ने रविवार सुबह इशिबा शिगेरु के पीएम पद छोड़ने का विचार करने के बारे में जानकारी दी थी। इसके कुछ घंटे बाद उन्होंने इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। इशिबा का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब वह घरेलू राजनीति में कई मुद्दों पर घिरे हुए हैं। खासतौर से जुलाई में उच्च सदन के लिए हुए चुनाव में हार के बाद से इशिबा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में पार्टी में विभाजन रोकने के लिए इशिबा ने इस्तीफे का रास्ता चुना है। इशिबा ने पिछले साल अक्टूबर में जापान के प्रधानमंत्री का पदभार संभाला था। पद संभालने के वक्त उन्होंने मंहगाई से निपटने, पार्टी में सुधार और कई बड़े वादे किए थे। हालांकि सत्ता में आने के बाद उनको लगातार कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एलडीपी पर राजनीतिक धन उगाही घोटालों के आरोप ने उनकी मुश्किल को बढ़ाया। इशिबा के सत्ता में आने के कुछ ही समय बाद एलडीपी और उसके गठबंधन सहयोगी कोमेइतो ने निचले सदन के चुनाव में बहुमत खो दिया था।

मोदी की चंद घंटों की मणिपुर यात्रा से कुछ हासिल नहीं होगा : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस ने कहा है कि करीब ढाई साल से हिंसा से झुलस रहे मणिपुर की यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यदि सच में महज कुछ घंटे के लिए जा रहे हैं तो यह औचित्यहीन है और इससे कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि श्री मोदी 13 सितंबर को मणिपुर जा रहे हैं और उनकी यह यात्रा महज तीन घंटे की बताई जा रही है और इतना कम समय हिंसा की आग से झुलस रहे मणिपुर की समस्या को सुलझाने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा 'प्रधानमंत्री की 13 सितंबर को प्रश्तावित मणिपुर यात्रा का उनके समर्थक स्वागत कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि वह राज्य में लगभग तीन घंटे ही बिताएँगे - जी हाँ, सिर्फ़ तीन घंटे।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले इंडिया ब्लॉक के सांसदों को डिनर देंगे खरगे; 9 सितंबर को है मतदान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले सोमवार शाम को संसद भवन में इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। यह बैठक विपक्ष की एकता को मज़बूत करने और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के समर्थन के लिए है, जिन्हें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का भी समर्थन प्राप्त है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'तेलंगाना के सीएम ने आज मुझसे बात की।

राजनीति में एंट्री लेने को पुत्र निशांत तैयार

बस पिता नीतिश कुमार की परमीशन का है इंतजार

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री को लेकर हलचल तेज हो गई है। हालांकि, नीतिश कुमार लंबे समय से वंशवाद के खिलाफ मुखर रहे हैं, लेकिन जेडीयू के भीतर अब यह राय बन रही है कि पार्टी को बचाने और मजबूत करने के लिए निशांत की राजनीति में एंट्री जरूरी है। हाल ही में राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) प्रमुख और एनडीए सहयोगी उपेंद्र कुशवाहा ने पटना की रैली में कहा कि अगर निशांत तुरंत राजनीति में नहीं आए तो जेडीयू को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में एक करीबी सूत्र के हवाले से कहा, निशांत राजनीति में आने के लिए तैयार हैं, उन्हें सिर्फ अपने पिता की मंजूरी चाहिए। सूत्र ने आगे कहा,हम वंशवाद को बढ़ावा न देने के मुख्यमंत्री के रुख से वाकिफ हैं, लेकिन हमें व्यावहारिक होना होगा।

देश भर में एसआईआर की तैयारी में जुटा ईसी

● सभी राज्यों के अपने प्रतिनिधियों की बुलाई है बैठक ● 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव की है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारी अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के क्रियान्वयन की तैयारियों पर राज्यों के अपने प्रतिनिधियों के साथ अगले हफ्ते चर्चा करेंगे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने बुधवार को राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक बुलाई है। फरवरी में ज्ञानेश कुमार के मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभालने के बाद राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की यह तीसरी बैठक है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि 10 सितंबर को होने वाली बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद पूरे देश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा। ऐसे संकेत हैं कि यह प्रक्रिया इस साल के अंत में और असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले शुरू कर दी जाएगी। एसआईआर का मकसद अवैध प्रवासियों के जन्मस्थान की जांच करके उन्हें वापस भेजना है। यह कदम विभिन्न राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार सहित अन्य देशों के अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों की शुचिता की रक्षा के अपने संवैधानिक कर्तव्य के निर्वहन के लिए पूरे देश में एसआईआर शुरू करेगा। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत चुनाव अधिकारी त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद के लिए मतदाताओं से जुड़े आंकड़ों में हेरफेर के विपक्षी दलों के आरोपों के बीच निर्वाचन आयोग गहन पुनरीक्षण के तहत अतिरिक्त कदम उठाए हैं। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अवैध प्रवासियों का नाम मतदाता सूची में दर्ज न हो। मतदाता बनने के इच्छुक या राज्य के बाहर से आने वाले आवेदकों की श्रेणी के लिए एक अतिरिक्त 'घोषणा पत्र' पेश किया गया है। उन्हें यह शपथपत्र देना होगा कि उनका जन्म एक जुलाई 1987 से पहले भारत में हुआ था और जन्मतिथि और/या जन्मस्थान को प्रमाणित करने वाला कोई भी दस्तावेज पेश करना होगा।

कनाडा से भारत के खिलाफ फंडिंग कर रहे खालिस्तानी

● बब्बर खालसा इंटरनेशनल और सिख यूथ फेडरेशन का नाम शामिल

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा सरकार ने कबूल कर लिया है कि खालिस्तानी आतंकी संगठन देश की जमीन पर सक्रिय हैं। इन्हें कनाडा में फंडिंग भी मिल रही है। इनका मकसद हिंसा के जरिए नई राजनीतिक व्यवस्था बनाना या मौजूदा सिस्टम में बदलाव करना है। हाल ही में कनाडा की सरकार ने असेसमेंट ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा 2025 नाम से एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन जैसे संगठन कनाडा से फंड प्राप्त कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये संगठन कनाडा के अलावा कई देशों में प्रवासी भारतीयों से भी चंदा जुटाते हैं।

इन खालिस्तानी संगठनों को राजनीतिक मकसद से हिंसा फैलाने वाले चरमपंथी समूह नाम की कैटेगरी में रखा गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इन संगठनों के पास मजबूत नेटवर्क है और ये कई तरीकों से पैसा जुटाते हैं। इनमें बैंकिंग और मनी सर्विस सेक्टर का दुरुपयोग, क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल, कुछ देशों से डायरेक्ट फंडिंग, चैरिटी और गैर-लाभकारी संगठनों का दुरुपयोग और आपराधिक गतिविधियां शामिल हैं।

नौ साल बाद मायावती करेंगी शक्ति प्रदर्शन

लखनऊ में रिकॉर्ड भीड़ बुलाने की है तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में पंचायत चुनाव से पहले बसपा प्रमुख मायावती शक्ति प्रदर्शन करेंगी। यह शक्ति 9 अक्टूबर को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर होगा। इस दिन कांशीराम स्मारक स्थल पर एक बड़ी रैली होगी। इसमें खुद मायावती शामिल होंगी। पार्टी ने इसमें 3 लाख की भीड़ जुटाने का लक्ष्य तय किया है। रविवार को मायावती ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर समीक्षा बैठक की। इसमें सतीश चंद्र मिश्रा, विधायक उमाशंकर सिंह, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सहित सभी मंडल और जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष शामिल हुए।

34 साल बाद काशी में दिन में हुई गंगा आरती

चंद्र ग्रहण से 9 घंटे पहले लगा सूतक, मंदिरों के कपाट बंद

वाराणसी (एजेंसी)। चंद्रग्रहण पर सूतक लगने के बाद यूपी में मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए। अयोध्या में राममंदिर और हनुमानगढ़ी के कपाट बंद कर दिए गए। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट पर शाम को होने वाली गंगा आरती दोपहर 12 बजे की गई। ऐसा 34 साल बाद हुआ है। वहीं, मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में भोग आरती करके 12.30 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए गए। अब सोमवार सुबह 5.30 बजे कपाट खुलेंगे। चंद्र ग्रहण शुरू होने से 12 घंटे पहले ही ब्रज के ज्यादातर मंदिरों के पट बंद कर दिए गए। बांके बिहारी, श्रीकृष्ण जन्मस्थान, बरसाना स्थित श्रीजी मंदिर के पट दोपहर 12.30 बजे बंद हो गए। अब 8 सितंबर को सुबह मंगला आरती के बाद ही पट खुलेंगे। वहीं, वल्लभ संप्रदाय के द्वारकाधीश मंदिर में भक्त चंद्र ग्रहण के दौरान भी भगवान के दर्शन कर सकेंगे। बांके बिहारी मंदिर में रविवार को राजभोग की सेवा सुबह साढ़े 4 बजे से शुरू हुई। पुजारियों ने मंदिर में प्रवेश कर भगवान का श्रृंगार किया। इसके बाद साढ़े 5 बजे भक्तों के लिए पट खोल दिए। इसे 10 मिनट बाद श्रृंगार आरती की गई। फिर सुबह 8.10 बजे राजभोग आरती हुई। फिर 8.15 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए गए। इसके बाद दोपहर 12.25 बजे पर शयन भोग आरती करके 12.30 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए गए। अब सोमवार को सुबह 5.30 बजे कपाट खुलेंगे। श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में भी दर्शनों के समय में बदलाव किया गया। यहां रविवार को दोपहर 12 बजे तक भक्तों ने दर्शन किए।

कालागढ डाम से रामगंगा नदी में छोडा पानी कई गावों मे घुसा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मनोहरवाली में कालागढ़ डाम का रामगंगा नदी में पानी छोड़े जाने से रामगंगा नदी काफी ऊफान पर है। उसी के साथ रामगंगा नदी का पानी बढ़ने से गांव मनोहर वाली में काफी गांव में अंदर तक पानी घुस चुकाहै। जिसमें ग्रामीणों को पशुओं का चारा लाना या बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है ।वहीं आप देख सकते हैं लगभग तीन-चार घर हैं जिसमें पानी अंदर तक घुस गया है। उनके पशुओं के चर घर का सभी सामान पानी में डूब गया है ।गांव वालों को कहना है कि उनके पास अभी तक कोई देखने या कोई पूछताछ करने नहीं आया।पीड़ितों जमीला पत्नी नसीम,फरमीना खातून पत्नी शाकिरा निवासी फतेहपुर जमाल का कहना है कि यहां पानी कितना है यह हम लोग किस हाल में है,अभी तक भी प्रशासन के किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी ने हमारी सुध नहीं ली है।

विद्युत उपकेंद्र बसावनपुर पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, ग्राम पाड़ला में बिजली न आने पर ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

✷ एनसीआर टुडे. नहाटौर ✷। ग्राम पाड़ला में विद्युत कटौती होने पर ग्रामीणों में आक्रोश उत्पन्न हो गया। उन्होंने विद्युत उपकेंद्र पहुंचकर प्रदर्शन किया। बिजली आपूर्ति बहाल होने पर सभी ग्रामीण अपने घरों को वापस लौट गये। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। शनिवार को ग्राम पाड़ला में विद्युत आपूर्ति की बार-बार कटौती हो रही थी। जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। देर रात्रि को ग्रामीण विद्युत उपकेंद्र बसावनपुर पहुंच गए। विद्युत कटौती को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने विद्युत कर्मचारियों पर धमकाने का आरोप भी लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भी ग्रामीणों को समझाते हुए विद्युत अधिकारियों से वार्ता की। काफी देर के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल होने पर ग्रामीण अपने घरों को वापस लौट गए। एसडीओ विद्युत विभाग ने बताया कि एक ट्रांसफार्मर का एक फेस उड़ गया बार-बार फुक रहा था। जिसके कारण आपूर्ति बाधित हुई थी। जिसे ठीक कर दिया है। कुछ लोग बिना बात वजह आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं जबकि कोई इतना बड़ा मामला नहीं था

पूर्णिमा पर्व : गायत्री शक्तिपीठ नजीबाबाद नौ कुण्डीय गायत्री यज्ञ

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। गायत्री शक्तिपीठ नजीबाबाद में नौ कुण्डीय गायत्री यज्ञ आयोजित किया गया। गायत्री शक्तिपीठ व्यवस्थापक डा. दीपक कुमार ने पवित्रीकरण आचमन, न्यास, पृथ्वी पूजन, कलश पूजन, गौरी गणेश पूजन, सर्वतोभद्र वेदिका पूजन कराते हुए वैदिक मंत्रों से आहुतियाँ लगवायी। पुष्पा शर्मा, कामेश शर्मा ने प्रेरणाप्रद गीत प्रशतुत किये। सारिका हग्रवाल, रेखा चौहान ने कर्मकाण्ड सम्पन्न कराया। गायत्री शक्तिपीठ अध्यक्ष कमल शर्मा ने गुरु पूजन किया। बलराम राजवंशी, साहिल राजवंशी ने सपत्नीक मुख्य पूजन किया। डा. दीपक कुमार ने कहा कि लोक मंगल के लिए जन - जागरण के लिए वातावरण परिशोधन के लिए यज्ञ किए जाते हैं गायत्री मंत्र गुरु मंत्र है गायत्री मंत्र महामंत्र है गायत्री मंत्र सद्बुद्धि का मंत्र है यज्ञ त्याग का दूसरा नाम है। यज्ञ चिकित्सा विज्ञान है। यज्ञ पर्यावरण शुद्ध करता है। हरिश शर्मा, राज भटनागर, मंगू सिंह एचपी गुप्ता, श्याम कुमारी, रिंकी सिंह शशि आदि रहे।

कैम्प लगाकर दवाई वितरित की

✷ एनसीआर टुडे. भूतपुरी ✷। भूतपुरी। गाँव दल्लीवाला मे राश्ते मे भरे पानी से गाँव मे बुखार फैलने से एक चार वर्षीय बालक की मौत हो गई थी जिससे स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में डेरा डालकर रोगियों की जांच कर दवाइयां वितरित की। पैरासिटामोल, ओआरएस, जिंक व अन्य दवाइयां देकर मरीजों का उपचार किया गया इसी के साथ खून आदि की जांच कर जरूरी सलाह दी गई। चिकित्साप्रभारी डॉ सर्वेश निराला ने बताया कि गाँव चिकित्सा कैम्प लगाया गया है, जहाँ पर मरीजों जे बुखार, ब्लड प्रेशर आदि की जांच की गई है। कैम्प में बुखार, खांसी, कमजोरी, जुकाम आदि के मरीजों को देखा गया है। उसी के साथ ग्रामीणों को जागरूक भी किया गया है। चिकित्सा कैम्प में डॉ अंकित कुमार, डॉ संजय कुमार, प्रमोद शर्मा, फार्मासिस्ट पंकज कुमार, स्टाफ नर्स सीमा, मनोज कुमार, एएनएम मंजू देवी सहित आशा कार्यकर्ता मौजूद रही।

मंदिर में बनाई 'ऑपरेशन सिंदूर' वाली रंगोली, आरएसएस के 27 कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज

मुथुपिलक्कड़ , एजेंसी।
ओणम उत्सव के दौरान कोल्लम जिले के एक मंदिर में पुष्पों की रंगोली बनाने के आरोप में आरएसएस के 27 स्वयंसेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंदिर समिति द्वारा इसे केरल हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन बताए जाने के बाद इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया। हालांकि, बीजेपी ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और दावा किया कि मुथुपिलक्कड़ स्थित पार्थसारथी मंदिर में बनायी गयी रंगोली च्ऑपरेशन सिंदूर' के सम्मान में थी।

मंदिर समिति के एक पदाधिकारी अशोकन सी. ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 223 (लोक सेवकों द्वारा वैध रूप से जारी आदेशों की अवहेलना), 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसावे की कार्रवाई) और 3(5) (कई लोगों द्वारा किया गया आपराधिक कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने मंदिर के मुख्य मार्ग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झंडे का चित्रण करने वाली पुष्प

रंगोली बनाई थी जो हाई कोर्ट के उस आदेश का उल्लंघन था जिसमें समिति की अनुमति के बिना मंदिर परिसर में फ्लेक्स बोर्ड' सहित किसी भी प्रकार की सजावट पर प्रतिबंध लगाया गया है। मंदिर से 50 मीटर की दूरी पर छत्रपति शिवाजी का एक फ्लेक्स बोर्ड' भी लगाया गया था। कथित तौर पर इस कृत्य का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के बीच हिंसा भड़काना था।

मंदिर समिति के सदस्य मोहनन ने बताया कि त्योहारों के दौरान मंदिर के पास झंडा लगाने को लेकर पहले भी कई बार झड़पें होती रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसे टकरावों से बचने के लिए, हमने हाई कोर्ट का रुख किया था, जिसने 2023 में मंदिर परिसर के पास झंडे सहित किसी भी सजावटी सामान पर प्रतिबंध लगा दिया।' उन्होंने बताया कि इसके बावजूद, आरएसएस स्वयंसेवकों ने मंदिर समिति के फूलों के डिजाइन के ठीक बगल में अपने झंडे के साथ फूलों की रंगोली बनायी और फूलों से 'ऑपरेशन सिंदूर' लिखा।

पदाधिकारी ने कहा, चूंकि इससे उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन हुआ और इससे झड़पें हो सकती थीं, इसलिए हमने शिकायत दर्ज कराई। हम ऑपरेशन सिंदूर का पूरा सम्मान करते हैं, लेकिन यह वैसा नहीं है जैसा आरोपी इसे चित्रित कर रहे हैं।' बीजेपी ने एक बयान में पुलिस पर निशाना साधते हुए मामले को चौंकाने वाला'' बताया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने सवाल किया कि क्या केरल में जमात-ए-इस्लामी या पाकिस्तान का शासन है। उन्होंने कहा कि अगर प्राथमिकी तुरंत वापस नहीं ली गई तो पार्टी अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने कहा, देश में पहली बार फूलों की रंगोली बनाने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। ओणम मलयाली लोगों का त्योहार है। 'ऑपरेशन सिंदूर' लिखने पर कानूनी कार्रवाई करके सरकार क्या हासिल करना चाहती है?' चंद्रशेखर के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' सशस्त्र बलों की ताकत और वीरता का प्रतीक है और कानूनी कार्रवाई के माध्यम से इसे निशाना बनाना राष्ट्र की रक्षा करने वाले प्रत्येक सैनिक का अपमान' है।

मछली नहीं बनाने पर मां को पीट-पीट कर मार डाला, छत्तीसगढ़ में बेटे की खौफनाक करतूत

गरियाबंद , एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के राजिम से लगे फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम जोगीडीपा में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक कलयुगी बेटे ने शराब के नशे में अपनी ही मां को डंडे से पीट-पीट कर मार डाला। बेटे का अपनी मां के साथ खाने में मछली नहीं बनाए जाने की बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि बेटे कमलेश नंदे ने अपनी मां चंदा बाई को डंडे से पीटना शुरू कर दिया और तब तक पीटता रहा जब तक मां की मौत नहीं हो गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बेटे के द्वारा अपनी मां की हत्या की यह वारदात गरियाबंद जिले में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी बेटा नशे का आदी है। आरोपी की पत्नी पहले ही उसकी मारपीट और गाली गलौज करने की वजह से उसे छोड़कर अपने मायके चली गई है। आरोपी जोगीडीपा में अपनी मां के साथ अपने एक सात साल के बेटे को लेकर रहता है। आरोपी शराब के साथ साथ गांजे का भी नशा करता है। आरोपी कमलेश ने नशे की हालत में इस वारदात को अंजाम दिया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी कमलेश ने शनिवार की सुबह अपने काम में जाने से पहले शराब पिया और उसके बाद अपने घर में आया और अपनी मां से खाना मांगा। सुबह ही वह अपनी मां को मछली लाकर दिया था और उसे बनाने की बात कही थी। मां उसे दोपहर में बनाने की सोच घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई। कमलेश ने काम पर जाने से पहले अपनी मां से पूछा कि मछली बनाई की नहीं। मां ने नहीं बनाने की बात कही। इस पर आरोपी अपनी मां के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। कमलेश इतना आक्रोशित हो गया कि पास में रखी कुल्हाड़ी के पीछे तरफ लगे डंडे से अपनी मां के ऊपर ताबड़तोड़ वार करने लगा, जिससे उसकी मां बेसुध हो कर नीचे गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। नीचे गिरने के बाद भी आरोपी अपनी मां की मारता रहा। पड़ोसियों ने इस घटना की सूचना फिंगेश्वर थाना पुलिस को दी।

नौकरी के अंतिम पड़ाव में कई शिक्षकों को देनी होगी टीईटी परीक्षा

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद जिले के सरकारी स्कूलों में तैनात कई शिक्षकों को सेवा के अंतिम पड़ाव पर टीईटी परीक्षा देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने जिले के बेसिक शिक्षकों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। शिक्षक संगठनों के मुताबिक, परीक्षा नहीं देने वालों को या तो खुद इस्तीफा देना होगा अथवा उन्हें निकाल दिया जाएगा।

एक सितंबर को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक, नौकरी में बने रहने के लिए कक्षा एक से 8वीं तक के सभी शिक्षकों को दो साल में टीईटी परीक्षा पास करनी होगी। जिले के बेसिक स्कूलों में तैनात शिक्षक जहां दबी जुबान में फैसले का विरोध कर रहे हैं, तो वहीं शिक्षक संगठन खुलकर इसे अन्यायपूर्ण बता रहे हैं।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के महानगर अध्यक्ष अमित गोस्वामी ने बताया कि जिनकी सेवानिवृत्ति में केवल पांच साल हैं, उन्हें फैसले से बाहर रखा गया है। यदि पांच साल से एक महीना भी अधिक है तो भी परीक्षा अनिवार्य है। दो साल में परीक्षा पास नहीं की तो शिक्षक अपनी सेवा के अंतिम तीन साल पूरे किए बिना ही नौकरी से बाहर हो जाएगा। ऐसे में अंतिम पड़ाव में शिक्षकों को शिक्षक बने रहने के लिए परीक्षा देनी होगी। वहीं शिक्षकों का कहना है कि अब परीक्षा की तैयारी करें या बच्चों को पढ़ाएं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि शिक्षक भर्ती में टीईटी परीक्षा 2010 से लागू हुई है। उससे पहले बीटीसी व अन्य शर्तों के आधार पर शिक्षक भर्ती हुई, लेकिन साल 2017 में सरकार ने सभी शिक्षकों को चार साल में टीईटी परीक्षा पास करने की अनिवार्यता कर दी। इसके विरोध में कुछ शिक्षक सुप्रीम कोर्ट चले गए। इसी क्रम में एक सितंबर 2025 को कोर्ट ने सभी शिक्षकों को दो साल में टीईटी परीक्षा पास करने का फैसला दिया है। शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा के मुताबिक जिले में कुल 2133 शिक्षक हैं। इनमें लगभग 400 शिक्षक 2010 के बाद के हैं और तकरीबन 130 शिक्षकों के कार्यकाल में पांच साल शेष बचे हैं।

ग्रामीण इलाकों में अचानक महंगी हुई जमीनें

गोरखपुर, एजेंसी।
नए सर्किल रेट से कानपुर के विस्तार को महंगा कर दिया गया है। अब शहर से सटे हुए ग्रामीण इलाकों में चल रही प्लाटिंग और फ्लैटों की कीमतें बढ़ेंगी। शहर में जगह खत्म होने के बाद बिल्डर ग्रामीण इलाकों की तरफ बढ़े तो साथ-साथ सर्किल रेट भी उन तक पहुंच गया। जिले में कम दामों में आशियाना बनाने का सपना देख रहे लोगों को झटका लगा है। गांवों में हो रही प्लॉटिंग के मद्देनजर सबसे अधिक वहीं वृद्धि की गई।

अब ऐसे इलाकों में तीन गुना तक बढ़ोतरी की गई है। शहर से सटे और बाहरी इलाकों बिठूर, चकेरी और नौबस्ता से जुड़े ग्रामीण इलाकों में रेट बहुत बढ़ गए हैं। शहर में जमीनें खत्म हो चुकी हैं। ऐसे में चकेरी, बिठूर और नौबस्ता से आगे ही विकास हो रहा है। वहां पर प्लाटिंग और फ्लैट बन रहे हैं। शहर का बाहरी इलाका होने की वजह से वहां पर काम दामों में फ्लैट और जगह मिल जाती थी। अब सर्किल रेट बढ़ने से वहां के दाम भी आसमान छूने लगेंगे। इससे शहर के बाहर आवास बनाने का ख्वाब देख रहे लोगों को बड़ा झटका लगेगा। सर्किल रेट कम होने की वजह से शहर से सटे ग्रामीण इलाकों के रेट में काफी बढ़ोतरी की गई

है। जिससे दरों में असमानता दूर हो सके।

शहर से जुड़े कई गांवों में सालों बाद सर्किल रेट को बढ़ाया गया हैं। इसमें सबसे ज्यादा एयरपोर्ट, बिठूर और नौबस्ता के आसपास के गांवों के रेटों में बढ़ोत्तरी की गई है। कई जगह 5000 रुपये प्रति वर्ग मीटर से भी सर्किल रेट कम था। ऐसे में 88.67 प्रतिशत फीसदी की सबसे ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। वहीं, कॉमर्शियल में 184 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। नए सर्किल रेट में शहरवासियों को गुपचुप कई झटके दिए गए हैं। अधिवक्ता विवेक गुप्ता के मुताबिक इसमें हाईटेंशन लाइन के नीचे भूमि पर कम की गई छूट को बढ़ाया नहीं गया। पहले की तरह उसे 10 फीसदी ही रखा गया है। आवासीय के बगल में दोनों तरफ कामर्शियल गतिविधि होने पर 40 फीसदी अतिरिक्त शुल्क देना था, उसे बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया गया है। चार फ्लोर से ऊपर पुराने फ्लैटों पर नई सूची में कोई छूट नहीं दी गई। कृषि भूमि के 200 मीटर परिधि में अकृषक गतिविधि होने पर पहले 40, फिर 50 व अब 60 फीसदी अतिरिक्त वसूलने का प्रावधान किया गया है। पुराने औद्योगिक निर्माण में छूट का प्रावधान था।

बाढ़ की आफत के बीच मगरमच्छ का आतंक, चंबल नदी में किशोर को खींच ले गया

आगरा , एजेंसी।
यूपी के आगरा में पिनाहट के थाना बासौनी क्षेत्र के गांव पुरा बरुआ में शनिवार दोपहर चंबल नदी किनारे नहाने पहुंचे एक 12 वर्षीय किशोर को मगरमच्छ खींच ले गया। इसके बाद देर शाम तक उसका कहीं पता नहीं लगा। अब रविवार को उसकी फिर से तलाश की जाएगी। जानकारी के अनुसार थाना बासौनी क्षेत्र के अंतर्गत गांव पुरा बरुआ निवासी 12 वर्षीय भानु पुत्र दीपू सिंह राजावत शनिवार दोपहर करीब 12 बजे दोस्तों के साथ चंबल नदी के किनारे नहाने के लिए गया था।

बताया गया है कि वह नदी के काफी किनारे पहुंच गया। वहां अचानक आया मगरमच्छ भानु को चंबल नदी में खींचकर ले गया। यह देख उसके दोस्तों ने शोर मचा दिया। गांव में पहुंचकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही भानु के परिजन मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय गोताखोरों द्वारा किशोर की तलाश की गई उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने किशोर को तलाशने के लिए पीएसी के गोताखोरों की मांग की है।

रेंजर चंबल वन्य जीव विहार, कुलदीप सहाय पंकज ने जानकारी दी कि चंबल नदी का जलस्तर काफी अधिक है। बाढ़ का पानी खदारों में भर गया है। बच्चे नदी किनारे नहा रहे थे।

बच्चों द्वारा बताया गया कि किशोर भानु को मगरमच्छ चंबल नदी में खींच ले गया है। वन विभाग की टीम द्वारा जाल बिछाकर व ड्रोन की मदद से किशोर की तलाश की गई। रविवार सुबह पीएसी और एसडीआरएफ टीम द्वारा किशोर की तलाश की जाएगी। अधिक बारिश के कारण चंबल नदी करीब 126 मीटर पर बह रही है। उसका जलस्तर काफी बढ़ा है। इस कारण स्थानीय गोताखोर चंबल नदी में किशोर को तलाश नहीं कर सके। अब रविवार को किशोर की तलाश की जाएगी।

विकास कार्यो में भ्रष्टाचार की गूँज जिला मुख्यालय तक, जाँच के नाम पर खानापूरी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

गांव मुजफ्फरपुर में ग्राम प्रधान द्वारा किए गए विकास कार्य में घोटाले की गूंज बिजनौर मुख्यालय तक पहुंच गई। जिसके बाद शिकायत मिलते ही अधिकारी जांच करने मौके पर पहुंचे ।मौके पर जांच के नाम पर खाना पूर्ति की गई। डीएम ने जिले के समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेश्वर सिंह को जांच करता अधिकारी नियुक्त किया था। लेकिन मौके पर जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई।

गांव में ग्राम प्रधान द्वारा कराए गए सीसी रोड निर्माण में घटिया सामग्री और कम काम में ज्यादा पैसा निकालने का आरोप लगा था। इतना ही नहीं महेश कुछ महीने पहले जिस नाले का ग्राम प्रधान ने मरम्मत कार्य कराया था। उस नाले की हालात बद से बदतर है। और उसके मरम्मत कार्य के नाम पर ढाई लाख रुपये निकाल लिए गये।

दरअसल बिजनौर जिले के आकू ब्लॉक के गांव मुजफ्फरपुर में ग्राम प्रधान तस्लीम पर ग्रामीणों ने गांव में घोटाले का आरोप लगाया था। डीएम ने जांच करने के लिए समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेश्वर को नियुक्त किया। जब वह गांव में पहुंचे तो उन्होंने जांच के नाम पर खानापूर्ति की और वो मीडिया के सवालों पर बगले झांकते नजर आए। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने अपने ही परिवार के कई लोगों के मनरेगा कार्ड बनवाए हैं।

जिनके नाम पर मोटी रकम निकाली जाती है। साथ ही राशन कोटा भी खुद ही के पास है। जो कि ग्रामीणों को एक यूनिट पर 4 किलो राशन दिया जाता है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि ग्राम प्रधान ने उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन भी कर रखा है और अपना परिवार का श्रमिक कार्ड भी बनाया हुआ है। इन सब सवालों पर ग्राम प्रधान से जब बातचीत की गई तो उन्होंने कैमरे के सामने बोलने से इनकार किया।

हालांकि जांच करता अधिकारी ज्ञानेश्वर की जांच से ग्रामीण संतुष्ट नहीं है। गांव में हुए विकास कार्य में घोटाले को लेकर ठीक से यदि जांच हो तो ग्राम प्रधान के और भी कहीं घोटाले उजागर होंगे। इस मामले में ग्राम प्रधान ने अपना पक्ष रखने से साफ इनकार कर दिया। उधर ग्रामीणों ने बताया कि वह अब किसी अन्य अधिकारी से जांच कराएंगे ।क्योंकि जांच करता अधिकारी ज्ञानेश्वर ने जांच के नाम पर खाना पूर्ति की है। हैरानी की बात यह है कि महज 10 मीटर सीसी के टुकड़े में ग्राम प्रधान ने 50 हजार की रकम सरकारी खाते से निकाल लीं। इस सवाल का जवाब शायद किसी के पास नहीं है। फिलहाल गांव की शिकायत कर्ताओ ने गांव में फिर से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। क्योंकि जांच के दौरान ग्राम पंचायत से जुड़े जेई और अन्य अधिकारी पक्षपात करते नजर आए हैं।

बिहार के वैशाली में पुलिस पर हमले के बाद आरोपी की कस्टडी में मौत

वैशाली, एजेंसी।
बिहार के वैशाली जिले के महुआ में पुलिस पर हमला करने के मामले में पुलिस द्वारा कस्टडी में लिए गए एक बुजुर्ग मौत हो गई है। बुजुर्ग पर पुलिस की टीम पर हमला करने का आरोप था। मृतक का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया है। एहतियात के तौर पर यहां भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मृतक राजापाकर के चौसिमा कल्याणपुर गांव का निवासी था। एसडीओ रामबाबू बैठा, सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार सहित करीब नौ थानाध्यक्ष भारी पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल में कैंप कर रहे हैं। मृतक का नाम हाशिम शाह उम्र 70 वर्ष बताया गया है।

आपको बता दें कि राजापाकर प्रखंड के चौसीमा कल्याणपुर फकीर टोला में एक

जुलूस दौरान देर रात आइसक्रीम विक्रेता से आइसक्रीम खाकर पैसे नहीं देने के मामले में जमकर हंगामा हुआ था। मारपीट की घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया था। इसमें महुआ थानाध्यक्ष, महिला सिपाही समेत पांच लोग घायल हो गए थे। पुलिस पर घातक हथियार से भी हमला किया गया था। इस दौरान डायल 112 और थाने की पुलिस की गाड़ियों को भी निशाना बनाया गया था। अचानक हुए हमले के दौरान दारोगा की पिस्टल गिर गई। देर रात करीब डेढ़ बजे एसपी घटनास्थल पर पहुंचे और मशक्कत के बाद पिस्टल पुलिस ने बरामद की। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी फोर्स शनिवार को भी तैनात रही।

घटना शुक्रवार की रात राजापाकर थाना अंतर्गत भलुई हाट के कौआचक में हुई। मौके पर पहुंची राजापाकर 112 डायल पुलिस की टीम जब आइसक्रीम विक्रेता को लेकर आरोपित के मोहल्ले में पहुंची तो असामाजिक तत्वों ने हमला कर वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। हमले में 112 डायल टीम के सिपाही दीपक कुमार को गंभीर चोट आई। इसके बाद घटना की सूचना राजापाकर थाने को दी गई थी। मौके पर थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार एएसआई, सजीवन पासवान, मिथिलेश कुमार सुरक्षा बलों के साथ पहुंचे थे। उनके साथ भी लोगों ने मारपीट की थी।

जिसमें थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार को काफी चोट लगी। एएसआई संजीवन पासवान के माथे पर डंडे से प्रहार किया गया था। दूसरे एएसआई मिथिलेश कुमार के हाथ पर तलवार से वार कर घायल कर दिया गया था। चौकीदार कपूरी ठाकुर के सिर पर भी डंडे से वार कर घायल कर दिया गया था। पुलिस अधीक्षक समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों को इसकी सूचना मिली तो कई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। जिसमें महुआ थाना, भगवानपुर थाना, पातेपुर थाना, जन्दाहा थाना और औद्योगिक थाना की पुलिस भी मौके पर एक-एककर पहुंची थी।

पुलिस ने वहां से तीन युवकों को गिरफ्तार किया और जब चलने लगी तो भारी फोर्स के बावजूद लोगों ने धक्कामुक्की और मारपीट की। पुलिस पर हुए इस हमले में महुआ थानाध्यक्ष के सिर पर गंभीर चोट लगी। महुआ थाने के दो एसआई की पिस्टल और इंसास रायफल उपद्रवियों ने छीन लिया। बाद में देर रात करीब एक बजे एसपी घटनास्थल पर पहुंचे। वहां भारी फोर्स की मौजूदगी में पुलिस ने दविश दी तो एक खेत से तीन घंटे बाद दोनों हथियार बरामद कर लिए गए। पुलिस अधीक्षक घटनास्थल बखरी बराई पंचायत के कौवा चौक पर करीब दो घंटे तक रुके। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। शनिवार को दिनभर वहां पर भारी फोर्स की तैनाती के बीच सन्नाटा पसरा रहा। पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा, महुआ डीएसपी संजीव कुमार मौजूद हैं।

अपहरण कर होटल के कमरे में ले जाकर छात्रा के खींचे फोटो

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र में स्कूल के बाहर से 12 वीं की छात्रा का अपहरण कर लिया गया। कार सवार आरोपी उसे होटल के कमरे में गया। आरोपी ने दुष्कर्म का प्रयास किया और अपने मोबाइल फोन से उसके फोटो लिए। विरोध पर छात्रा को सड़क पर फेंककर फरार हो गया। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। गांव निवासी व्यक्ति के अनुसार, उनकी पुत्री गांव स्थित एक कॉलेज में पढ़ती है। शनिवार को छात्रा स्कूल पहुंची। स्कूल गेट पर गांव निवासी आरोपी कार लेकर खड़ा था। उसने जबरदशती छात्रा को कार में बैठा लिया और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे स्थित एक होटल के कमरे में ले गया। जहां आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध पर आरोपी ने अपने मोबाइल फोन से छात्रा के फोटो लिए और गाली-गलौज करते हुए उसे कार में वापस बैठा लिया। इसके बाद आरोपी उसे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर फेंककर फरार हो गया। छात्रा ने घर पहुंचकर परिजन को आपबीती बताई। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने में पहुंचे। पुलिस का कहना है कि मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार महिला घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार महिला घायल हो गई। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। क्रासिंग रिपब्लिक गाजियाबाद निवासी दीपा बंसल के अनुसार वह कार से मेरठ जा रही थी। भोजपुर कट के निकट पीछे से अज्ञात वाहन ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार क्षतिग्रश्त हो गई और महिला को गंभीर चोट आई हैं। अज्ञात वाहन का पता लगाने के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

ब्लैक कोबरा के घर में घुसने से हड़कंप मचा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मसूरी की गंगापुरम कॉलोनी में रविवार को एक घर में कोबरा सांप के घुसने से हड़कंप मच गया। कोबरा की वजह से घर के लोगों का घुस में घुसना मुश्किल हो गया। इसक बाद स्थानीय लोगों ने सांप पकड़ने वाले को बुलाया। कई घंटे की मशक्कत के बाद स्नैक कैचर ने आठ फीट लंबे काले रंगे के कोबरा को पकड़ा। उसने बताया कि सांप बेहद जहरीला था। उसे जंगल में जाकर छोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक अत्यधिक बारिश होने से सांप एवं अन्य जानवर दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से कोबरा सांप लोगों के दहशत का कारण बना हुआ है। कई जगहों पर इस कोबरा सांप को देखा गया था। लोगों का कहना है कि इस सांप की वजह से लोग अपने घरों में कैद हो गए थे। वह निकलने से डर रहे थे। सांप के पकड़े जाने के बाद से लोगों ने राहत की सांस ली है।

दो करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी विधायक ने रविवार को नगर पालिका वार्ड नंबर 33 डीएलएफ में 2.10 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। वार्ड में डूडा, और राज्य वित्त से निर्माण कार्य कराए जाएंगे। लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने रविवार को लोनी नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 स्थित डीएलएफ की अंकुर विहार, पीएन विहार मंदिर, वेद विहार, रूबी एनक्लेव, शिव मंदिर, बी ब्लॉक अंकुर विहार में डूडा और राज्य वित्त आयोग द्वारा कराए जाने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। क्षेत्र में विकास कार्यों का शिलान्यास होने से लोगों में हर्ष का माहौल रहा। इस मौके पर विधायक ने लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बारिश के चलते निर्माण कार्यों में देरी हुई है। बारिश समाप्त होने पर जिंदल रोड का कार्य युद्ध श्तर पर किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में सीवर लाइन डालने के कारण क्षतिग्रश्त हुई सड़कें भी जल्द विकसित होंगी। इस अवसर पर विजय कुमार मिश्रा, विपिन कसाना, प्रशांत झा, करण सिंह, आशीष झा, ओमप्रकाश पाण्डेय, आर पी पाण्डेय समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

किशोरी से दुष्कर्म के बाद गर्भपात का आरोप, मुकदमा दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने पड़ोस में रहने वाले युवक पर 16 वर्षीय पुत्री को डरा धमका कर जबरन दुष्कर्म करने और उसका गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की है। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की कॉलोनी में रहने वाली महिला की 16 वर्षीय पुत्री की कुछ दिन पहले तबीयत खराब हो गई थी। जिस पर वह पुत्री को चिकित्सक के पास उपचार के लिए लेकर पहुंची। घर पहुंचने पर पुत्री ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला युवक पिछले कई दिनों से डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। उसने बताया कि गर्भवती होने पर युवक ने उसका गर्भपात भी कराया है। आरोप है कि पुत्री के साथ हुई हैवानियत की जानकारी मिलने पर जब वह युवक के परिजनों से बात करने गईं तब आरोपी ने उनसे गाली गलौज कर मारपीट की। पुत्री के उपचार के बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी सुमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

फाटक पर पडा मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। जेतरा फाटक के पास अज्ञात व्यक्ति की मौत से हड़कंप। चलते-चलते गिरा व्यक्ति, अस्पताल ले जाने पर उपचार के दौरान तोड़ा दम। मृतक की पहचान नहीं हो सकी, पुलिस ने शव कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के लिए भेजा, पहचान कराने के प्रयास शुरू।यह जानकारी लोकप्रिय पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पाण्डेय ने दी है। घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन के नाम पर साढ़े छह करोड़ का फर्जीवाड़ा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कौशांबी थानाक्षेत्र में कार्यालय खोलकर जालसाजों ने राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन के नाम पर उद्यमी से साढ़े छह करोड़ रुपये ठग लिए। पुलिस आयुक्त से शिकायत के बाद शुक्रवार को महिला समेत पांच के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मुरादनगर निवासी मनोज अग्रवाल की गारमेंट फैक्टरी है। उन्होंने बताया कि मई 2024 में लैंडक्राफ्ट गोल्फलिंक्स में रहने वाला प्रवीन अग्रवाल और उसका साथी मयंक गुप्ता उनसे एक रिश्तेदार के जरिये मिला। प्रवीन ने बताया कि सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए जूते, मौजे, बैग और स्टेशनरी आदि की सप्लाई का टेंडर निकलने वाला है। दोनों ने यह काम मनोज को दिलाने का झांसा दिया।

दोनों ने उनकी फर्म राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन में पंजीकृत कराने के नाम पर 10 लाख रुपये लिए। इस मिशन के नाम की फर्जी वेबसाइट दिखाई। इसके बाद एग्रीमेंट के नाम पर 1.15 करोड़ रुपये लिए। आरोपियों ने कौशांबी के एंजल मेगा मॉल स्थित एक कार्यालय में पीड़ित को सौरभ सिंह से मिलवाया। सौरभ ने खुद को राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन का उप निदेशक बताया। सौरभ ने कहा कि हमारी संस्था के प्रमुख करुणाकर उर्फ रत्नाकर उपाध्याय हैं, जिनसे फोन पर बातचीत के बाद आरोपियों ने कहा कि आपका टेंडर हो जाएगा। इसके लिए सिक्योरिटी मनी 50 लाख रुपये ले ली।

आरोपियों ने करीब 3.40 करोड़ रुपये का माल भी ले लिया। पीड़ित के अनुसार, जब वह भुगतान के लिए सौरभ से मिले तो उसने फिर रत्नाकर से बात कराई और कहा कि भुगतान की चिंता मत कीजिए। इसके साथ ही दूसरा काम दिलाने का झांसा दिया।

स्कूली बैग की सप्लाई के काम के एवज में सौरभ सिंह ने 45 लाख रुपये लिए और 25 लाख रुपये सिक्योरिटी मनी के नाम पर लेकर एग्रीमेंट बना दिया और फिर करीब 83 लाख रुपये के स्कूली बैग भी बनवाकर उनसे ले लिए। इन दोनों ऑर्डर के एवज में उन्हें सिर्फ 26 लाख रुपये का भुगतान मिला। बकाया भुगतान के लिए कई बार मिलने पर रत्नाकर ने भरोसा दिलाया कि वह खुद भारत सरकार में सहायक निदेशक है और पूरे प्रोजेक्ट को देख रहा है।

इसलिए भुगतान के सम्बन्ध में कोई किसी प्रकार की परेशानी नहीं आएगी। उसने दिल्ली के बाराखंभा रोड स्थित अपने कार्यालय पर बुलाया। यहां उसने मनोज से 10 लाख रुपये लिए। उन्हें 2.25 करोड़ रुपये के भुगतान का एक चेक दिया। मगर इसका भुगतान नहीं हुआ। इसी बीच अनीता उपाध्याय ने कई वेंडरो को ई-मेल भेजा कि सौरभ सिंह ने प्रोजेक्ट में धोखाधड़ी की है। उसके खिलाफ एफिडेविट दें तो सिक्योरिटी मनी के रूप में ली गई रकम लौटा दी जाएगी। इसके बाद उन्होंने बाकी लोगों से संपर्क किया तो फर्जीवाड़े के बारे में पता चला। मुख्य आरोपी हुए गिरफ्तार रत्नाकर और अनीता को करीब डेढ़ माह पूर्व दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एक ऐसे ही केस में गिरफ्तार किया था।

इससे पहले दोनों छत्तीसगढ़ में भी इसी तरह के मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। मनोज अग्रवाल का कहना है कि आरोपियों के पकड़े जाने पर उन्हें पता चला कि वेबसाइट फर्जी है और जिस खाते में पैसे जमा कराए वह सरकार नहीं बल्कि ट्रस्ट का है। पीड़ित का कहना है कि बाकी आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनका पता नहीं चल पाया है। मनोज के मुताबिक उनके अलावा 62 अन्य लोगों को भी इस गिरोह ने शिकार बनाया है और हर व्यक्ति से करोड़ों में रकम ठगी गई है।

सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि पांचों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साक्ष्यों के आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर कोतवाली क्षेत्र के गांव सीकरी कलां में एक महिला की रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव रसोई की चौखट में फंदे से लटका मिला।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव पोस्टमार्टम को भेजा। कोई शिकायत पुलिस को नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का पुलिस को इंतजार है। गांव सीकरी कलां में ममता की 26 साल पहले नरेंद्र के साथ शादी हुई थी। उन्हें दो बेटे व दो बेटियां हुई। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। छोटा बेटा रविवार को अपने कमरे में थे। पति किसी काम से बाहर गया था।

सुबह करीब 11 बजे जब बेटा उठकर कमरे से निकला तो ममता का शव रसोई की चौखट से लटक रहा था। उनकी चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से जानकारी जुटाई।

कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम को भेजा। शुरूआती जांच में पुलिस घटना को आत्महत्या मान रही है। जिसके पीछे का कारण अभी अस्पष्ट है।

सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना का कहना है कि मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। फिर भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। उसी से मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। तभी आगे की कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

सस्ती संपत्ति दिलाने का झांसा दे साढ़े सात करोड़ ठगे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति व उसके साथी ने सश्ती संपत्ति दिलाने के बहाने तीन लोगों से साढ़े सात करोड़ रुपये ठग लिए। दोनों ने अपने पासपोर्ट के साथ खाली चेक देकर भरोसा जीता था।

करीब एक साल पुराने मामले में पुलिस आयुक्त को शिकायत के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। वसुंधरा सेक्टर दो में रहने वाले राजेंद्र वर्मा शक्तिखंड चार निवासी चंद्रभान रात को जानते थे। चंद्रभान वैशाली सेक्टर एक में कार्यालय है। उसने अपने साथी दुहाई की रॉयल ग्रीन सिटी सोसाइटी निवासी प्रवीण चौधरी से मिलवाया था। दोनों खुद को दो बैंकों को डीएसए (डायरेक्ट सेलिंग एजेंट) बताया था।

आरोपियों ने उन्हें बताया कि बैंकों में ऋण के लिए बंधक संपत्तियों की नीलामी होती है और ऐसी कई संपत्तियां उन्हें सश्ते में दिला सकते हैं। आरोपियों का कहना था कि संपत्तियों की कीमत बाजार भाव के मुकाबले काफी कम होगी। साथ ही कहा कि इसके लिए भुगतान पहले करना होगा।

उन्होंने अपने दो मित्रों को भी इस बारे में बताया। विश्वास होने के बाद राजेंद्र वर्मा ने 2.65 करोड़, पकंज परासर ने 4.10 करोड़ और प्रिंस त्यागी ने 75 लाख रुपये नकद दोनों को दे दिए। भरोसा दिलाने को चंद्रभान और प्रवीण ने उन्हें खाली चेक और अपने पासपोर्ट दे दिए।

राजेंद्र का कहना है कि तय अवधि के काफी समय बाद भी आरोपियों ने किसी संपत्ति के बारे में नहीं बताया और न ह बैनामा कराया।

रकम वापस मांगने पर आरोपियों ने रुपये एकॉउंट में डालने के फर्जी मैसेज भेज दिए। खाते में रुपये नहीं आए तो उन्होंने आरोपियों से दोबारा संपर्क किया, जिस पर उन्हें जान से मारने की धमकी दे फोन काट दिया गया।

दोबारा कॉल करने पर नंबर बंद हो गया। उन्होंने काफी खोजबीन की, लेकिन आरोपियों का पता नहीं चला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस आयुक्त कार्यालय में गुहार लगाई।

सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल पाकर 265 लोगों के चेहरे पर मुस्कान आई

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

ट्रांस हिंडन जोन की पुलिस ने चोरी, लूट और गुम हुए 265 मोबाइल बरामद किए हैं। रविवार को पुलिस लाइन स्थित परमजीत हॉल में डीसीपी ट्रांस हिंडन ने पीड़ितों को मोबाइल हाथ में दिए तो उनके चेहरे खिल उठे।

एसपी के मुताबिक बरामद हुए मोबाइलों की कीमत करीब एक करोड़ रुपये है। एसपी सिटी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि थानों पर रोजाना मोबाइल गुम होने, स्नैच और लूटे जाने की शिकायत आती हैं। ऐसे मोबाइल को ट्रेस करने के लिए पुलिस की सर्विलांस टीम निरंतर प्रयासरत रहती हैं। ट्रांस हिंडन पुलिस द्वारा सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) द्वारा गुम हुए मोबाइलों की तलाश की गई और 256 मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद कर लिए गए।

डीसीपी ने बताया कि बरामद मोबाइलों की कीमत लगभग एक करोड रुपये है। यह मोबाइल तमिलनाडू, हरियाणा, बिहार, दिल्ली एनसीआर के अलग अलग स्थानों से बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि बरामद मोबाइल में चोरी हुए 15, लूटे गए नौ तथा गुम हुए 241 मोबाइल हैं।

बरामद मोबाइल के स्वामियों को पुलिस लाइन बुलाकर उन्हें मोबाइल सुपुर्द किए गए। वहीं, पीड़ितों का कहना है कि वह अपने गुम और लूटे गए मोबाइल को मिलने की आस छोड़ चुके थे, लेकिन पुलिस ने नई तकनीकी के जरिए हमारे मोबाइल खोजकर वापस कर दिए, यह उनके लिए खुशी की बात है।

डीसीपी ट्रांस हिंडन ने बताया कि मोबाइल अलग-अलग स्थानों से बरामद किए गए हैं। लूट और चोरी के मोबाइल खरीदने वालों से पूछताछ के आधार पर मोबाइल लुटेरों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी कमिश्नरेट के तीनों जोन की पुलिस बड़ी संख्या में मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंप चुकी है।

कौशांबी पुलिस ने सर्वाधिक 54 मोबाइल बरामद किए डीसीपी ने बताया कि सर्वाधिक मोबाइल बरामद करने के मामले में कौशांबी पुलिस सबसे आगे रही। कौशांबी पुलिस ने 54 मोबाइल बरामद किए।

इसके अलावा 50 मोबाइल बरामद कर इंदिरापुरम पुलिस दूसरे तथा 35 मोबाइल बराद कर लिंक रोड पुलिस तीसरे नंबर पर रही। इनके अलावा टीला मोड़ पुलिस ने 34, साहिबाबाद पुलिस ने 32 तथा खोड़ा व शाली मार गार्डन पुलिस ने 30-30 मोबाइल बरांद किए। एसपी ट्रांस हिंडन का कहना है कि यह प्रयास निरंतर जारी है।

बेगराजपुर में पागल कुत्ते ने आधा दर्जन युवकों को किया घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

पागल कुत्ते ने ग्राम बेगराजपुर में दो बालिकाओं को काटकर घायल कर

दिया। जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उन्हें बिजनौर रेफर कर दिया है। इनके अलावा लगभग आधा दर्जन अलग-अलग स्थानों पर कुत्तों के लोगों को काटने के मामले सामने आए हैं।

ग्राम बेगराजपुर निवासी भुवसरिरा पुत्री इश्तकार उम्र 6 वर्ष,अलीना पुत्री फिरोज शनिवार को अपने घर के बाहर खेल रही थी। पागल कुत्ते ने बच्चों पर हमला कर दिया उनकी चीख पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। बामुश्किल बालिकाओं को कुत्ते से छुड़ाया। तथा उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया।

प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ग्राम कश्मीरी निवासी रीता देवी पुत्री सुधीर कुमार को बंदर ने काट ने पर उसके परिजनों ने उसे सीएससी में भर्ती कराया।

इसके अलावा शुभम पुत्र विपिन ग्राम मोहम्मदपुर रूबी पुत्री प्रमोद ग्राम ननूशेरपुर, शप्पती पुत्री परविंदर ग्राम भुरापुर, गीता पत्नी अमरजीत ग्राम आंकू को गांव के कुत्तों ने काट लिया।

इनके परिजनों ने उन्हें सीएससी में भर्ती कराया सीएचसी में वैक्सीन इंजेक्शन लगाकर उन्हें घर भेज दिया गया।

फर्जी आईडी से महिला का बायोडाटा मेट्रिमोनियल साइट पर डाला

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने फर्जी आईडी से उनका बायोडाटा बनाकर फेसबुक तथा मेट्रिमोनियल साइट पर डालने का आरोप लगाते हुए ससुरालियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। मेरठ रोड स्थित मोरटा गांव में रहने वाली आंचल अग्रवाल का कहना है कि उनकी शादी अप्रैल 2018 में पूर्वी ज्योतिनगर, शाहदरा दिल्ली निवासी आशीष गुप्ता के साथ हुई थी।

शादी में परिजनों ने सामर्थ्य से बढ़कर दान-दहेज दिया था, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग संतुष्ट नहीं थे। शादी के बाद से ही वह मायके से एक करोड़ रुपये दिलाने का दबाव डालने लगे थे। छह अगश्त 2022 को ससुरालियों ने उन पर जानलेवा हमला किया था तथा बचाने आए भाई को भी चोट आई थीं। इसके बाद भाई ने मधुबन बापूधाम थाने में हत्या के प्रयास तथा अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया था। यह मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है तथा बयान दर्ज होने शुरू हो गए हैं।

आंचल अग्रवाल के मुताबिक अभी तक पति से उनका तलाक नहीं हुआ है। तलाक का मुकदमा दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट में विचाराधीन है। आरोप है कि उनकी तथी उनके परिवार की सहमति के बिना अगश्त 2025 में उनकी फर्जी आईडी बनाते हुए फेसबुक तथा मेट्रीमोनियल साइटों पर उनका बायोडाटा डाल दिया गया।

बायोडाटा में उनका फोटो और मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक कर दिया गया, जिसके बाद अनेक नंबरों से कॉल करके उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने एक अगश्त 2025 को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। आंचल अग्रवाल का कहना है कि उनके पति आशीष गुप्ता, सास गीता गुप्ता, ससुर किशन कुमार गुप्ता, जेठ विनय गुप्ता और जेठानी प्रियंका गुप्ता ने षड्यंत्र करके उन्हें अपमानित करने तथा गवाही से रोकने के लिए मानसिक संतुलन खराब करने के मकसद से यह किया गया है।

आंचल अग्रवाल ने मधुबन बापूधाम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि पांच सितंबर को ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

साहित्य कला अकादमी के बैनर तले नशिसत व मिनी मुशायरा का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना स्थित मोहल्ला सरायमीर आलमगीर काजमी के निवास स्थान पर मिनी मुशायरा वह नशीसत का प्रोग्राम देर रात तक चला जिसमें शहर के जाने-माने हास्य कवि ० शायर मौजूद रहे आलमगीर काजमी ने सभी आने वाले हास्य कवि व शायरो को बैच लगाकर सम्मानित किया सभासद नगर अध्यक्ष अंबेडकर समाजवादी पार्टी असलम सिद्दीकी मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने ही मुशायरा की शमा रोशन किया प्रोग्राम हुड़दंग नगीनवी के संचालन में व सभासद असलम सिद्दीकी की अध्यक्षता में प्रोग्राम शुरू किया गया कवि इंद्रजीत ने मां सरस्वती वंदना की प्रश्तुति कर प्रोग्राम की शुरुआत की। उसके बाद हुजूर की शान में नाते पाक रईस राज ने पड़ी जिसकी जुबां पर नबी की सुबह शाम है उस पर कसम खुदा की जहन्नुम हराम है दो नूर मिल रहे हैं अजब अहतमाम है मिराज में मेरे नबी का बड़ा एहतराम है।मशूर शायर डॉक्टर इमरान सागर ने कुछ इस तरह पढ़ा।

अब ज़रा सी आजमाइश से भी डर लगने लगा कितना मुश्किल जिंदगी तेरा सफर लगने लगा एशो इशरत में तो किस्मत पर भरोसा था उसे आ गई गर्दिश तो जादू का असर लगने लगा शायर तस्लीम अहमद ने कुछ इस तरह कहा कि नहीं सुनता वह दुनिया में किसी की लगी है भीड़ चौखट पर उसी की वह मेरे जुल्म का हामी था उसी ने मिसाले तोड़ दी सब दोश्ती की (प्रोग्राम देर रात तक चला प्रोग्राम में सभी कवि व शायरो ने अपने-अपने कविता व शायरी सुनाई आलमगीर काज़मी ने वरिष्ठ एडवोकेट निशात अहमद असलम सिद्दीकी व भारतीय प्रेस क्लब के अध्यक्ष वसीम वारसी एडवोकेट के ब्रॉस लगाकर सम्मानित किया प्रोग्राम में इंडियन नागिनवी हुरदंग नागिनवी नाज़ीर अल्वी सेठ वज़ीर अंसारी रईस अहमद नासिर अज़ीम राज तस्लीम अहमद डॉक्टर इमरान सागर डॉ रमेश गिरी अकरम अहमद विशाल सैनी कवि इंद्रजीत मुशायरा में डॉक्टर इमरान सागर की शायरी को साराहा गया खूब दाद मिली आखीर मै आलमगीर काज़मी ने सभी का शुक्रिया अदाकार जलपान कराया

गौ सेवा सदस्य आयोग ने गोशालाओं का निरीक्षण कर गौ आश्रय संचालिका रजनी ज़ोहर के कार्य की प्रशंसा की

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

गौ सेवा सदस्य आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ का बिजनौर नगीना आगमन पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी व गौ आश्रय संचालिका एवं गोपी श्याम सेवा समिति की प्रबंधिका रजनी जोहर ने उनका जोरदार स्वागत कर उन्हें वर्तमान में गौशालाओं की स्थिति के बारे में जानकारी दी और प्रबंधिका रजनी ज़ोहर द्वारा की जा रही गोशालाओं की देखरेख में एक एक गायों का मौके पर निरीक्षण भी किया गया निरीक्षण में सभी गायों को फलता फूलता व भरपूर हरा भरा चारा देख उनके कार्य की सहराना की।

शुक्रवार को माननीय सदस्य गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ दीपक गोयल जनपद बिजनौर के नगीना में आगमन हुआ। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ लोकेश कुमार अग्रवाल व गौ आश्रय संचालिका एवं गोपी श्याम सेवा समिति की प्रबंधिका रजनी जोहर द्वारा गौ सेवा आयोग सदस्य का जोरदार स्वागत किया गया। दीपक गोय द्वारा विकास खंड नूरपुर अंतर्गत आश्रय गौ आश्रय स्थल फ़ीना का निरीक्षण किया गया मौके पर ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव मौजूद रहे गौ आश्रय स्थल का संपर्क मार्ग खराब है जिसके लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

इसी के साथ उन्होंने गोबर का निश्तारण ठीक प्रकार से करने एवं वर्षा के दृष्टिगत जल निकासी की व्यवस्था ठीक करने के निर्देश भी दिए और नर गोवंश को छोटे गोवंशों से अलग रखने के लिए टिन शेड में बाढ़ कराकर उसमें रखने को कहा। वहीं विकास खंड नूरपुर के अंतर्गत अस्थाई गौ आश्रय का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि गौशाला का संचालन महिला समूह द्वारा किया जा रहा है एवं गायों से उत्पाद अगरबत्ती आदि अनोखी चीजें बनाए जा रहे है जिसकी उप्र आयोग सदस्य दीपक गोयल द्वारा गोशालाओं की प्रशंसा की गई। उधर मुख्य रूप से विकास खंड कोतवाली के अंतर्गत उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग में पंजीकृत श्री कृष्णा गौशाला का निरीक्षण किया गया और इस दौरान उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी नगीना भी मौके पर मौजूद रहे। गौ आश्रय स्थल में रेड सिंधी एवं साहीवाल नस्ल की गायों को संरक्षित की गई है दीपक गोयल द्वारा गौशाला का निरीक्षण कर संतोष व्यक्त किया गया। तत्पश्चात इस्माइलपुर दमी गौशाला का भी निरीक्षण किया और गौ आश्रय संचालिका गौ आश्रय संचालिका एवं गोपी श्याम सेवा समिति की प्रबंधिका रजनी जौहर भी मौके पर मौजूद रही।

उधर गौ आश्रय स्थल का संपर्क मार्ग बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए एवं गोबर का निश्तारण ठीक तरीके से करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही अपेक्षा की गई कि गौ उत्पाद तैयार कर गौ आश्रय स्थलों को स्वंय बनाया जाए।

ईद मिलादुन्नबी का जलसा सम्पन्न

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर आयोजित होने वाला ऐतिहासिक जलसा-ए-सीरतुन्नबी इस वर्ष भी बड़े ही इज़्ज़त और शान-ओ-शौकत के साथ सम्पन्न हुआ।

यह चालीसवां सालाना आयोजन था, जिसमें नगर ही नहीं बल्कि आसपास के इलाकों से भी सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। देर रात तक जलसा स्थल पर भारी भीड़ का माहौल देखने को मिला।

इस मौके पर दिल्ली से तशरीफ़ लाए मशहूर आलिम-ए-दीन मुफ्ती अक़ीलुर्रहमान ने अपने रूहानी और इल्मी बयान से जलसे को रौशन किया। उन्होंने अपने खिताब में कहा कि नबी-ए-पाक की सीरत पूरी इंसानियत के लिए रहमत और हिदायत है। उनका पैग़ाम अमन, मोहब्बत और इंसाफ़ का पैग़ाम है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज दुनिया मुसलमानों को गलत नज़र से पेश करने की कोशिश करती है, जबकि हक़ीक़त यह है कि मुसलमान हर दौर में मुल्क की तरक़्क़ी, मोहब्बत और इंसानियत की खिदमत में आगे रहे हैं।

मुफ्ती अक़ीलुर्रहमान ने जोर देकर कहा कि मुसलमानों को अपने किरदार और आचरण से यह साबित करना चाहिए कि इस्लाम अमन और भाईचारे का मज़हब है।

उन्होंने क़ुरआन और सीरत-ए-नबी की रोशनी में सब्र, इंसाफ़ और तालीम की अहमियत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर तालीम और तरक़्क़ी के मैदान में आगे बढ़ेंगे तो कोई ताक़त उन्हें पीछे नहीं कर सकती।

संपादकीय

आखिर कब साकार होगा पूर्ण साक्षर भारत का सपना?

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 59वां 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया।

वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है। निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है। दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है।

साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विडम्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते।

तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरा गई है। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना', जो संचार को बेहतर बनाने और विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। पिछले साल साक्षरता दिवस 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वश्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था।

वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है।

दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

मातृत्व का अपमानः बिहार की राजनीति पर असर

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी के संबंध में कांग्रेस और राजद के मंच से जो अभद्र व अशालीन शब्द कहे गए, उसने न केवल राजनीतिक वातावरण को कलंकित किया है, बल्कि पूरे देश की संवेदनाओं को भी आहत किया है। भारत में माँ केवल एक परिवार की सदस्य नहीं होती, वह मातृत्व का प्रतीक है, करुणा और संस्कार की धारा है, जीवन की प्रथम शिक्षिका है।

किसी भी माँ के लिए अपमानजनक टिप्पणी वस्तुतः संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। इसलिए जब किसी दल के नेता राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते प्रधानमंत्री की माताजी को अपशब्द कहते हैं, तो यह प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि हर उस भारतीय पर चोट करता है, जिसने अपनी माँ को श्रद्धा और सम्मान के उच्चतम स्थान पर रखा है, यह भारतीय संस्कृति एवं तहजीब का भी अपमान है।

यही कारण है कि यह घटना केवल राजनीतिक विवाद नहीं रही, यह एक सामाजिक-नैतिक प्रश्न बन गई है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इश्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी ज़िंदिगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ़ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले है।

प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने राजनीतिक मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रश्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है।

परंतु आलोचना और अभद्रता में बहुत बड़ा अंतर है। जब राजनीतिक संवाद विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों से हटकर व्यक्तिगत और पारिवारिक अपमान तक पहुँच जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा पर आघात होता है। विपक्ष को सरकार की योजनाओं, उसकी कमियों या विफलताओं पर सवाल उठाने चाहिए, लेकिन यदि वे प्रधानमंत्री की माँ को निशाना बनाएंगे, तो जनता इसे राजनीतिक परिपक्वता की कमी, विकृत राजनीति और हताशा का प्रतीक ही मानेगी।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाली-गलौज की गई है, तब-तब यह उनके लिए सहानुभूति और समर्थन का कारण बना है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही अनेक अवसर आए, जब कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने मोदी पर अशालीन एवं अभद्र टिप्पणियां की हैं लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब सारी हदें लांघते हुए उन पर राजनीतिक छिद्रान्वेषण से हटकर व्यक्तिगत हमले करके, उनकी पृष्ठभूमि और उनके परिवार को लेकर अपमानजनक शब्द कह कर राजनीतिक मर्यादाओं का हनन किया है।

लेकिन हर बार जनता ने इसका उत्तर मोदी के पक्ष में समर्थन देकर दिया। 2019 के आम चुनाव में भी जब अपशब्दों की बाढ़ आई, तो मोदी और भी सशक्त होकर सामने आए।

जनता ने मानो यह संदेश दे दिया कि जो व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत गरिमा और पारिवारिक मर्यादा का स्वयं उत्तर नहीं देता, बल्कि मौन रहकर केवल अपने राष्ट्र विकास के कार्यों से जवाब देता है, वही उनकी सहानुभूति का अधिकारी है। यही कारण है कि मोदी पर गाली की हर चोट उनके समर्थन को और व्यापक बना देती है। मोदी को कोई भी गाली कभी भी कमजोर नहीं कर सकती।

भारतीय मतदाता भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह केवल तर्क और आँकड़ों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके निर्णय में संवेदनाएँ और संस्कार भी बराबरी से भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री की माता जी पर की गई टिप्पणी ने इस संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। भारतीय समाज के लिए माँ केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक भी है।

इसीलिए जब माँ पर आघात हुआ, तो जनता ने इसे मोदी के परिवार का नहीं बल्कि अपने परिवार का अपमान माना। यह भावनात्मक जुड़ाव विपक्ष की रणनीति को उल्टा कर देता है और मोदी के लिए जनसमर्थन का कारण बन जाता है। भारतीय राजनीति में श्तरहीन, हल्की और सश्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है।

लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। एक समय राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को केवल गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया।

लेकिन आज कांग्रेस मोदी के खिलाफ काफी कुछ बोल चुकी हैं, कभी रावण तो कभी नीच, कातिल, शैतान, मौत का सौदागर जैसे शब्दों का खुलेआम इश्तेमाल किया है। जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो लम्बी सूची है। चाहे सानिया हो या राहुल, चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम, खडगे और प्रियंका गांधी।

इन नेताओं ने बेहद हल्के शब्दों का इश्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इश्तेमाल किया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

बिहार के चुनावी परिदृश्य पर इस घटना का गहरा असर पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों, आर्थिक पिछड़ेपन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों में उलझी हुई है। विपक्ष अपने लिए जगह बनाने के लिए संघर्षरत है, परंतु वह जनता को कोई ठोस और विश्वसनीय विकल्प देने में असफल रहा है। ऐसे में जब उसके नेता अभद्रता पर उतर आते हैं, तो जनता का विश्वास और भी कम हो जाता है।

वह सोचने लगती है कि जिन नेताओं के पास शब्दों की गरिमा और तर्क का बल नहीं है, वे शासन और प्रशासन की मर्यादा कैसे संभालेंगे? इसीलिए बिहार की जनता ऐसी अभद्रता का समर्थन नहीं करेगी और इसका सीधा असर विपक्ष की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। यह भी एक गहन प्रश्न है कि विपक्ष आखिर किस हद तक गिरेगा? क्या लोकतंत्र अब केवल गाली-गलौज और व्यक्तिगत अपमान तक सीमित रह जाएगा? क्या राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की जगह अब विकारों और अशालीनता ने ले ली है? यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है।

प्रधानमंत्री मोदी पर गाली-गलौज की हर घटना उनके व्यक्तित्व को और दृढ़ बनाती है। वे स्वयं बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें जितनी गालियाँ मिलेंगी, वे उतनी ही शक्ति से देश सेवा में लगेंगे। उनके इस धैर्य और संयम ने उन्हें जनता के बीच एक अलग पहचान दी है। जनता यह अनुभव करती है कि जो व्यक्ति व्यक्तिगत अपमान को भी सह लेता है, लेकिन जनता की सेवा से विचलित नहीं होता, वही सच्चा नेतृत्वकर्ता है।

यही कारण है कि उनके विरोधियों की अभद्रता अंततः उन्हीं पर भारी पड़ती है। विपक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सफलता केवल आलोचना से नहीं मिलती, बल्कि वैकल्पिक नीतियों और रचनात्मक दृष्टि से मिलती है।

केवल मोदी विरोध करना ही राजनीति का उद्देश्य नहीं हो सकता। जनता को चाहिए कि विपक्ष विकास की कोई ठोस योजना प्रश्तुत करे, रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारने का मार्ग दिखाए, स्वास्थ्य और किसान समस्याओं पर गंभीरता से बात करे।

यदि वे यह सब नहीं कर सकते और केवल गाली-गलौज की राजनीति करेंगे, तो उनका हश्र वही होगा जो बार-बार होता आया है। जनता उन्हें नकार देगी और उनके अपशब्द मोदी के लिए समर्थन की नई ऊर्जा बनेंगे। यदि विपक्ष अपनी भाषा और व्यवहार पर संयम नहीं रखेगा, तो न केवल उसकी साख गिरेगी बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी आहत होगी।

आरएसएस के 100 सालः सोच वही, भाषा बदली

राम पुनियानी

02 अक्टूबर 2025 को आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे हो रहे हैं। आरएसएस हिन्दुत्ववादी राजनीति करता रहा है और उसका लक्ष्य है हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। जो शपथ उसके स्वयंसेवक लेते हैं, उसमें वे वायदा करते हैं कि वे हिंदू राष्ट्र के प्रति वफादार रहेंगे। आरएसएस ने तेजी से अपनी मूलभूत इकाई, शाखा की संख्या बढ़ाई है।

इन शाखाओं में पहले युवा और लड़के और अब हर उम्र के लोग कबड्डी और खो-खो जैसे भारतीय खेल खेलते हैं। उन्हें विचारधारात्मक प्रशिक्षण भी दिया जाता है, जिसे शाखा बौद्धिक कहा जाता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी विश्तृत और अलग-अलग अवधि का होता है। आरएसएस केवल पुरूषों का संगठन है और महिलाओं के लिए इसका एक सहायक संगठन है जिसका नाम राष्ट्र सेविका समिति है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि महिला संगठन के नाम से स्वयं शब्द गायब है।

शाखाओं में दिए जाने वाले व्याख्यानों में छत्रपति शिवाजी महाराज और राणा प्रताप जैसे हिन्दू राजाओं का महिमामंडन किया जाता है। वहीं मुस्लिम राजाओं को क्रूर खलनायकों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें मुसलमानों के प्रति नफरत के बीज बोए जाते हैं। आरएसएस एक विशाल संगठन है जिसकी 83,000 शाखाएं, लाखों स्वयंसेवक और सैकड़ों प्रचारक हैं जिन्होंने समाज के नजरिए को बदल कर रख दिया है और मुसलमानों के प्रति, और पिछले कुछ दशकों में ईसाईयों के प्रति भी, गहरी नफरत पैदा कर दी है।

आरएसएस के शताब्दी समारोहों की शुरूआत उसके सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत के दिल्ली के विज्ञान भवन में 26, 27 और 28 अगश्त 2025 को तीन व्याख्यानों की श्रृंखला से हुई। डॉ। भागवत का तीन अन्य महानगरों में भी इसी तरह व्याख्यान देने का कार्यक्रम है। दिल्ली में दिए गए तीन व्याख्यानों में उन्होंने मोदी और स्वयं के 75 वर्ष के होने पर पदत्याग के संबंध में बात की। उन्होंने ऐसी किसी भी संभावना को खारिज कर दिया। वहीं दूसरी ओर उन्होंने दंपत्तियों का आव्हान किया कि वे तीन बच्चे पैदा करें क्योंकि जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है। संभवतः यह इस कपोलकल्पित भय को कम करने के उद्देश्य से कहा गया कि आगे चलकर देश में मुसलमानों का बहुमत हो जाएगा।

इन व्याख्यानों का केन्द्रीय भाव था हिन्दुत्व को इस प्रकार परिभाषित करना ताकि इसमें मुसलमानों और ईसाईयों को भी सम्मिलित किया जा सके। हम देख रहे हैं कि समाज में मुसलमानों का हाशियाकरण होता जा रहा है और वे एक दायरे में सिमटते जा रहे हैं। साथ ही पिछले कुछ दशकों में इन दोनों समुदायों पर हमलों का अनवरत सिलसिला जारी है। हमलों की संख्या और गंभीरता दोनों बढ़ रही हैं। नई परिभाषा में धर्म का जिक्र किए बिना इस भूभाग पर रहने वाले हर व्यक्ति को हिन्दू कहा जा रहा है! आरएसएस प्रमुख कहते हैं कि ''हिन्दवी, भारतीय और सनातन पर्यायवाची शब्द हैं। इन शब्दों का जो आशय है वह भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। पिछले 40,000 सालों से हमारा डीएनए वही रहा है''।

हिन्दू की परिभाषा विभिन्न कालखंडों में बदलती रही है। जहां हिंदू शब्द से शुरूआत में आशय था सिन्धु के पूर्व के इलाके में रहने वाले सभी लोग, वहीं धीरे-धीरे इस इलाके में प्रचलित समश्त धार्मिक परंपराओं जैसे ब्राम्हणवाद, नाथ, तंत्र, सिद्ध और आजीवक आदि सभी को सामूहिक रूप से एक ही धर्म हिन्दू में सम्मिलित किया जाने लगा। यह वर्गीकरण पिछले दो सौ वर्षों में सशक्त होता गया हालांकि अम्बेडकर का विचार था कि हिन्दुत्व में ब्राम्हणवाद ही प्रमुख परंपरा है। आज हिन्दू से आशय मुख्यतः एक धर्म से है हालांकि शुरूआत में यह एक भौगोलिक क्षेत्र में रहने वालों को दिया गया नाम था।

हमें यह याद रखना चाहिए कि हिन्दुत्व में कई सम्प्रदाय सम्मिलित हैं। 'द्वि राष्ट्र सिद्धांत' के प्रतिपादक सावरकर अपनी पुश्तक 'एसेन्शियल्स ऑफ हिन्दुइज्म' में हिन्दू को इस तरह परिभाषित करते हैं- ''हिन्दू वह है जो सिन्धु से समुद्र तक फैले इस भूभाग को अपनी पितृभूमि और पुण्यभूमि मानता है।'' बाद में 1990 में भाजपा के अध्यक्ष बने मुरली मनोहर जोशी ने सभी भारतीयों को हिन्दू बताते हुए मुसलमानों को अहमदिया हिन्दू और ईसाईयों को क्रिस्टी हिन्दू कहा। यह इन अल्पसंख्यक समुदायों पर हिन्दू पहचान लादने की शुरूआती कोशिश थी।

अब भागवत इसी नजरिए को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं कि हिन्दवी, भारतीय और सनातन पर्यायवाची हैं। इन शब्दों का एक दूसरे के स्थान पर इश्तेमाल किया गया है। सनातन का अर्थ है शाश्वत, हमेशा रहने वाला। हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथ, अनुष्ठान और तीर्थस्थल मुसलमानों और ईसाईयों से भिन्न हैं। ईसाई और इस्लाम धर्म को मानने वाले अपने को 'हिन्दू' नहीं कहलाना चाहेंगे।

अपने नजरिए पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भागवत हिन्दुओं को चार श्रेणियों में बांटते हैं जिसका उद्देश्य गैर-हिन्दुओं को हिन्दू धर्म के झंडे तले लाना है। वे कहते हैं, ''हिन्दुओं की चार श्रेणियां हैं-जो स्वयं को हिन्दू मानते हैं और इस बात पर गर्व करते हैं; जो स्वयं को हिन्दू मानते हैं किंतु इस बात से गौरवान्वित महसूस नहीं करते; जो यह जानते हैं कि वे हिन्दू हैं, मगर इस बात का जिक्र तक नहीं करते और चौथे वे जो स्वयं को हिन्दू नहीं मानते''। यह धूर्ततापूर्वक हिंदुओं की पहचान के विभिन्न पहलुओं को गैर-हिन्दुओं पर लादने का प्रयास है। व्यावहारिक दृष्टि से तो सावरकर की परिभाषा का ही बोलबाला है।

हालांकि आरएसएस के विचारक यह दावा करते हैं कि हिन्दू धर्म सहिष्णु और समावेशी है, लेकिन हकीकत इससे बहुत अलग है। भागवत दंभपूर्ण लहजे में कहते हैं, ''हिन्दू वह है जो दूसरों की आस्थाओं को नीचा दिखाए बिना अपने मार्ग पर चलने में विश्वास रखता है और दूसरों की आस्था का अपमान नहीं करता। जो इस परंपरा और संस्कृति का पालन करते हैं, वे हिन्दू हैं''।

महात्मा गांधी भी इस उदात्त नजरिए के हामी थे और उनकी हत्या नाथूराम गोडसे नामक एक ऐसे व्यक्ति ने की थी जिसका प्रारंभिक प्रशिक्षण आरएसएस शाखाओं में हुआ था। एक अन्य श्तर पर ये परिभाषाएं अन्य धर्मों के सच्चे अनुयायियों पर भी लागू की जा सकती हैं।

यह दावा कि आरएसएस के दरवाजे सभी हिन्दुओं के लिए खुले हैं इस दृष्टि से पूरी तरह खोखला दिखता है कि यह सिर्फ पुरूषों का संगठन है। इतिहास से संबंधित इसके सभी नैरेटिव मुसलमानों और ईसाईयों के प्रति नफरत पर आधारित हैं। आरएसएस के अधिकांश विचारक और सावरकर 'मनुस्मृति' को सही ठहराते हैं जो महिलाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों के प्रति भेदभाव की बात करती है। भागवत अपने व्याख्यानों में यह कहकर इस पर पर्दा डालने का प्रयास करते हैं कि इन पवित्र ग्रंथों को विशिष्ट संदर्भों में लिखा गया था। अन्य धर्मों और नीची जातियों के लोगों और महिलाओं का बहिष्करण आरएसएस की विचारधारा और कार्यकलापों का केन्द्रीय तत्व है। आरएसएस की शाखाओं में मुसलमानों को प्रवेश देने का फैसला काफी चिंतन-मनन के बाद लिया गया था और आज भी आरएसएस की शाखाओं में ज्यादा संख्या में मुसलमान नहीं हैं।

जो बात हमें पता है वह यह है कि आरएसएस की राजनैतिक शाखा भाजपा के सांसद किन-किन वर्गों से हैं। लोकसभा में भाजपा का एक भी सांसद मुसलमान या ईसाई नहीं है, उनके मंत्री होने का तो सवाल ही नहीं उठता। प्रधानमंत्री से लेकर निचले श्तर तक के नेताओं के भाषणों में बड़े पैमाने पर मुसलमानों के प्रति नफरत भरी बातें शामिल रहती हैं। असम में एनआरसी-सीएए के बहाने मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने के प्रयास अभी भी जारी हैं। बिहार में एसआईआर के माध्यम से समाज के निर्धन एवं हाशियाकृत वर्गों का मताधिकार छीनने का एक और प्रयास किया जा रहा है। एक तरह से ये तीन व्याख्यान आरएसएस के हिन्दू पहचान को सभी भारतीयों पर लादने के एजेंडे को दर्शाते हैं। अत्यंत कुटिलता से हिन्दू धार्मिक पहचान को राष्ट्रीय पहचान की तरह प्रश्तुत किया जा रहा है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया।

(लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ सोसाइटी एंड सेकुलरिज्म के अध्यक्ष हैं)

बिहार में इस बार प्रशांत करेंगे बड़ा खेल

राधा रमण

बिहार में सियासी सरगर्मी चरम पर है। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा अगले माह होने की संभावना है। ऐसा इसलिए कि चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन इस माह 30 सितंबर को करने की घोषणा की है। वैसे भी बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। उसके पहले चुनावी गतिविधियां हर हाल में समाप्त करनी होंगी और नई सरकार का गठन करना संवैधानिक मजबूरी है।

इस बार भाजपा बिहार में सरकार बनाने पर आमादा दिखती है। उसके लिए 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की स्थिति है। फिलहाल प्रदेश में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। उसके 80 विधायक हैं। भाजपा के लिए यह संख्या सर्वाधिक है।

243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 122 विधायक चाहिए। सवाल यह कि बाकी के विधायक कहां से आएंगे? पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व में प्रवक्ता रहे डॉ विनोद शर्मा कहते हैं कि बिहार में इस बार एनडीए की लहर है। नीतीश कुमार की अगुवाई में सरकार ने समाज के हर तबके के लोगों को राहत पहुंचाई है। किसानों को 120 यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही है, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ा है। पत्रकारों, बुजुर्गों, विधवाओं और जेपी आंदोलन के मीसाबंदियों के पेंशन में दोगुनी से अधिक की बढ़ोतरी की गई है। यही नहीं, स्वरोजगार के लिए महिलाओं को सश्ते दर पर कर्ज देने के लिए सरकारी खजाना खोल दिया गया है। सड़कें चकाचक हैं और नौकरियों की बहार है। जनता को और क्या चाहिए?

इसमें दो राय नहीं कि बिहार की महिलाओं के सिर पर नीतीश का जादू सिर चढ़कर बोलता रहा है। यह वोट इस बार नीतीश के पक्ष में कितना जाएगा, यह चुनाव परिणाम के बाद पता चलेगा, क्योंकि बिहार के अधिकांश जिले बाढ़ की चपेट में हैं और करीब 17 लाख आबादी सड़कों और राहत केंद्रों में शरण लिये हुए है। इनमें सर्वाधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की है।

दूसरी तरफ राज्य में अपराधी पुलिस के रसूख को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। विपक्ष इसे एनडीए का जंगलराज बता रहा है। महिलाएं इस अराजकता से भी पीड़ति हैं। ऐसे में महिला वोटरों में बिखराव हो जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। राज्य में नीतीश की बिरादरी कुर्मी जाति का वोट करीब 6 प्रतिशत है, यह वोट भी अभी तक नीतीश के पक्ष में पड़ता रहा है। यही वजह है की नीतीश पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

बिहार में महागठबंधन भी इस बार पूरा जोर लगाये हुए है। राज्य में महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा को अपेक्षाकृत अधिक सफलता मिली।

वोटर अधिकार यात्रा 17 अगश्त को शेरशाह सूरी की धरती सासाराम से शुरू होकर 1 सितंबर को पटना के गांधी मैदान से निकल कर डाकबंगला चौराहे पर समाप्त हो गई। पुलिस प्रशासन ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। इसमें महागठबंधन के सभी घटक दलों के नेता शामिल रहे।

वोट अधिकार यात्रा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रवक्ता संजय राउत, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, टीएमसी सांसद यूसुफ पठान, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी शिव कुमार, माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, वीआईपी के मुकेश सहनी, भूपेन्द्र बघेल, अशोक गहलौत, प्रियंका गांधी समेत कई नेता शामिल रहे। विपक्ष राज्य से पलायन, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहा है। लोगों को नौकरी और डोमिसाइल नीति बनाने की बात कह रहा है। एसआईआर के खतरे के प्रति आगाह कर रहा है। सरकार बनने पर महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह देने और सुशासन का ख़्वाब दिखा रहा है।

इस बीच बिहार के माउन्टेन मैन दशरथ मांझी के परिजनों के लिए गयाजी के गहलोर गांव में पक्का घर बनवाकर राहुल गांधी ने अपनी जय-जयकार करा ली है। दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी इसके लिए नीतीश कुमार से लेकर जीतनराम मांझी और भाजपा के कई बड़े नेताओं का चक्कर लगाकर थक चुके थे। इससे आसपास के गांवों में भी राहुल के लिए हमदर्दी जगी है। देखने वाली बात होगी कि यह सहानुभूति वोट में कितनी तब्दील हो पाती है।

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर (पीके) की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाये जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे। वह अपने दम पर सरकार बनाने से लेकर दोनों बड़े गठबंधनों (एनडीए और महागठबंधन) का खेल बिगाड़ने तक का हो सकता है। एनडीए और महागठबंधन से समान दूरी बनानेवाले लोग आजकल पीके की तरफ खींचे चले आ रहे हैं। कहना न होगा कि ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है। इनमें रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस और उद्योगपतियों की संख्या काफी है। इसके लिए प्रशांत किशोर बिहार के बाहर रहने वाले प्रवासियों के संपर्क में हैं। उधर, राज्य में जनसुराज की गतिविधियां लगातार जारी हैं। विधानसभा श्तर तक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। पीके ने पलायन के मुद्दे को ठीक से पकड़ा है।

वह कहते हैं कि बिहार की बदहाली में यहां के नेताओं की बड़ी भूमिका है। जब तक झारखंड राज्य नहीं बना था, बिहार की बदहाली कम दिखती थी। अब सरेआम हो चुकी है। वह मतदाताओं से कहते हैं कि इस बार का मतदान अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए कीजिए।

बिहार में रोजी-रोजगार की व्यवस्था के लिए वोट कीजिए। प्रशांत अपनी सभाओं में नीतीश और लालू दोनों को बिहार की बदहाली के लिए बराबर का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। कहते हैं कि पिछले 35 वर्षों से बिहार में इन्हीं दोनों का शासन रहा है। वह दोनों को नागनाथ और सांपनाथ बताते हैं। कहते हैं कि दोनों विषधर हैं, दोनों डंसते हैं। प्रशांत किशोर जाने-माने चुनावी रणनीतिकार रहे हैं। वर्ष 2014 के संसदीय चुनाव में नरेंद्र मोदी के चुनावी रणनीतिकार रहे थे।

भाजपा को सत्ता में लाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। 2015 के विधानसभा चुनाव में वह जनता दल (यू) की तरफ से महागठबंधन के रणनीतिकार रहे थे। तब नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में उनकी अहम्‌ भूमिका थी। इससे उनकी लोकप्रियता और कमाई दोनों बढ़ी है। इस बार वह जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल दोनों पर बराबर हमलावर हो रहे हैं। आश्चर्य यह कि प्रशांत किशोर पर जवाबी हमला जदयू और राजद कम बल्कि भाजपा ज्यादा कर रही है।

पिछले दिनों चार सीटों के हुए उपचुनाव में जनसुराज तीन सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी। उसे 10 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे। पीके बताते हैं कि भाजपा को दस प्रतिशत वोट पाने में 20 साल लगे थे। उपचुनाव के समय हमारी तैयारी प्रीमैच्योर थी। तब भी इतने वोट मिले। वह कहते हैं कि 'विधानसभा चुनाव में जनसुराज या तो अर्श पर रहेगी या फर्श पर रहेगी। बीच की गुंजाइश काफी कम है। अगर लोगों ने जाति-धर्म से हटकर मतदान किया तो हम अकेले अपने बूते पर सरकार बना सकते हैं।'

लेकिन बिहार में जाति की राजनीति लंबे समय से जड़ जमाये है। वहां के लोग डॉक्टर और मास्टर भी अपनी जाति का ही खोजते हैं। ऐसे में प्रशांत की जनसुराज क्या गुल खिलाती है, यह समय बताएगा।

रोहतास जिले के बगेयां गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता सूर्यकेश्वर सिंह कहते हैं कि प्रशांत किशोर बिहार के केजरीवाल बनने की जुगत में हैं। वह चुनाव जीतें अथवा नहीं, लेकिन दोनों मुख्य गठबंधनों (एनडीए और महागठबंधन) का खेल जरूर खराब करेंगे।

इस बीच, गंभीर अपराधों में 30 दिन के लिए जेल जाने पर प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने संबंधी बिल को कैबिनेट की मंजूरी और संसद में पेश कर केंद्र सरकार ने बड़ा दांव चल दिया है।

अगर यह बिल कानून बन जाता है तो इसका देशव्यापी असर पड़ेगा और बिहार भी इससे अछूता नहीं रहेगा। यही कारण है कि विपक्ष इस बिल का पुरजोर विरोध कर रहा है। विपक्ष की यह आशंका निर्मूल नहीं है कि सरकार इसका इश्तेमाल विपक्ष की सरकारों को बर्खाश्त करने के लिए करेगी। बिहार में विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव हैं। उन पर पहले से ही कई आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं।

ऐसे में यह सवाल मौजूं है कि अगर केंद्र सरकार का बिल संसद से पारित होकर कानून बन जाता है और महागठबंधन बिहार में चुनाव जीत भी जाता है तो उसकी सरकार कितनी टिकाऊ होगी। वैसे यह कानून बनाने के लिए संसद के दोनों सदनों में सरकार को दो तिहाई बहुमत की दरकार पड़ेगी जो सरकार के पास फिलहाल नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेलः todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

मुख्यमंत्री ने 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र बांटे जिले के 16 अनुदेशक लाभान्वित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा वर्ष 2025 में घोषित अंतिम परिणामों में चयनित विभिन्न व्यवसायों के 1510 अनुदेशकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन, लखनऊ स्थित ऑडिटोरियम में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एनआईसी में भी किया गया। विधायक इगलास राजकुमार सहयोगी ने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 16 अनुदेशकों को एनआईसी में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए भाल चन्द त्रिपाठी तथा प्रधानाचार्य आईटीआई राजेश कुमार गौतम भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मिशन रोजगार के अंतर्गत अब तक 8.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जहां तेज विकास दर के साथ युवाओं को योग्यता एवं क्षमता के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

विधायक इगलास राजकुमार सहयोगी ने कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार की कोई कमी नहीं है। ग्रामीण एवं दिव्यांगजन को भी विशेष प्रशिक्षण देकर समाज एवं रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया नवचयनित युवा गाजीपुर, बिजनौर, कासगंज, कन्नौज, हापुड़, औरैया सहित प्रदेश के अन्य जिलों के रहने वाले हैं, इनकी तैनाती जिले में कई गई है।

अलीगढ़ जिले को मिले अनुदेशक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगढ़ः विकास सिंह, राहुल, ब्रजेश यादव, पंकज सिंह, राजीव कुमार, ललित कुमार, परमेश कुशवाह, सौरभ कुमार, धर्मेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, जगवीर सिंह। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोलः अजीत कुमार, सूर्य प्रताप सिंह। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अतरौलीः रेनू, देव कुमार सैनी, हरवीर सिंह फौजदार। एनआईसी नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार, मनोज कुमार लोहिया, राकेश कुमार आर्य, दिनेश कुमार जौहरी, मोहित गुप्ता, आयुष शर्मा, उमेश कुमार, हुकुम सिंह उपस्थित रहे।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामिग्री भेजी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

ब्लॉक अकराबाद के कस्बा पिलखना के लोगों ने चंदा एकत्रित कर रविवार को पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए खाद्य सामग्री भेजी है। कस्बा पिलखना निवासी शकील अहमद ने बताया है कि पिछले कई दिनों से पंजाब के लोग बाढ़ से पीड़ति हैं। जहां बाढ़ के कारण तमाम जनहानि के साथ पशुओं की मौतें हो चुकी हैं।

तथा लोगों के आसियानों के साथ खेत खलिहान पूरी तरह से बर्बाद हो गए हैं। इस दुख की घड़ी में कस्बा पिलखना के लोगों ने अपनी ओर से चंदा एकत्रित कर रविवार को एक गाड़ी से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए करीब पांच सौ पेकेट खाद्य सामग्री भेजी जा रही है। जिससे दाल, चावल, आटा समेत अन्य उपयोगी सामान मौजूद हैं। सहयोग करने वालों में मौलाना नजमुद्दीन, अनीस मेव, यामीन खान, कादिर नम्बरदार, इरशाद खा, असफाक अली, अबरार मेव, कलुआ, नफीस, खैर मोहम्मद, असगर खा, रहीम मेव, रहीशुद्दीन, तौफीक, शाहिद, अशोक पंडित आदि मौजूद रहे।

बारिश से नंदग्राम में जलभराव हुआ

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शहर में रविवार को नंदग्राम इलाके में तेज बारिश से जलभराव हो गया। कॉलोनियों और सड़कों पर पानी भरने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

नंदग्राम के अलावा शहर के अन्य इलाकों में हल्की बारिश हुई। दोपहर करीब एक बजे हल्की बारिश होने लगी। दोपहर दो बजे तक गोविन्दपुरम, शास्त्रीनगर, चिरंजीव विहार, अवंतिका, राजनगर, कविनगर, पटेलनगर, लोहियानगर आदि जगह हल्की बारिश होती रही। इस कारण ज्यादा जलभराव नहीं हुआ। वहीं नंदग्राम क्षेत्र में खूब तेज बारिश हुई। वहां जल निकासी नहीं होने से पानी सड़कों पर भर गया। बारिश का पानी सड़कों पर काफी देर तक भरा रहा। इस कारण आवाजाही से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

मेरठ रोड से नंदग्राम जाने वाली मुख्य सड़क पर जलभराव से जाम लग गया। इससे वाहन चालक परेशान रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालों पर अतिक्रमण है। कुछ जगह पक्का निर्माण है। इस कारण नालों की सफाई नहीं हो पाती। यही वजह है बारिश का पानी नहीं निकल पाता। इसके अलावा विजयनगर क्षेत्र में भी कुछ जगह पानी भर गया था। विजयनगर की 20 से ज्यादा कॉलोनी हाईवे से नीचे हैं। इस कारण बारिश का पानी नाले तक नहीं पहुंच पाता। इससे पानी घरों के बाहर भर गया।

दूधेश्वरनाथ मंदिर के कपाट बंद

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दूधेश्वरनाथ मंदिर के कपाट रविवार को 16 घंटे के लिए बंद हो गए। कपाट सोमवार को तड़के चार बजे खुलेंगे। मंदिर के पीठाधीश्वर महंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि चंद्रग्रहण की वजह से मंदिर के कपाट बंद किए जाएंगे।

महंत नारायण गिरि के मुताबिक चंद्रग्रहण रविवार रात्रि 9 बजकर 58 मिनट से शुरू होकर रात्रि एक बजकर 26 मिनट तक रहा। लेकिन चंद्रग्रहण का सूतक 9 घंटे पहले तथा सूर्यग्रहण का सूतक 12 घंटे पहले लग जाता है। ऐसे में रविवार को चंद्रग्रहण का सूतक दोपहर 12 बजकर 56 मिनट से प्रारंभ हो गया। सूतक के कारण दोपहर 12 बजे आरती और भोग के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए।

इस दौरान मंदिर में सभी साधु-संत, आचार्य एवं वेद विद्या संस्थान के विद्यार्थी रविवार को दोपहर 12 बजे से रात्रि 12 बजे तक अखंड जाप किया।

सर्जन अभियान को सफल बनाने में जुटे कार्यकर्ता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने रविवार को संगठन के सर्जन अभियान के तहत मुरादनगर में शहर और ब्लॉक कमेटी के साथ बैठक की। इस दौरान ब्लॉक बूथ कार्यकर्ता से सीधे संवाद कर उनके विचार जाने और दिशा निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने बैठक में सभी को संगठन को मजदूर कर आगे ले जाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि संगठन सर्जन अभियान अपने अंतिम लक्ष्य, पड़ाव की तरफ चल रहा है, जो कि सौ दिन का कार्यक्रम था। इस दौरान कई सुधार कार्य किए गए है, लेकिन कुछ कार्य करने की जरूरत है। इन्हें सभी मिलकर पूरा करें। इससे संगठन को मजबूती मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का शानदार प्रदर्शन रहेगा।

तेजी से बढ़ रहा गंगा-यमुना का जलस्तर बस्तियों के करीब पहुंचा बाढ़ का पानी

प्रयागराज, एजेंसी। गंगा एवं यमुना का जलस्तर 82 मीटर से काफी ऊपर होने के साथ बाढ़ का पानी बस्तियों के करीब पहुंच गया है। नांव चलाने के साथ बाढ़ राहत शिविर भी तैयार कर दिए गए हैं। अफसरों के अनुसार 84 मीटर तक पानी पहुंच सकता है। यानि, शहर का बड़ा इलाका एक बार फिर बाढ़ की चपेट में होगा। ऐसे में प्रशासन की ओर से सभी संबंधित विभागों को अलर्ट कर दिया गया है।

सिंचाई विभाग की शाम चार बजे की रिपोर्ट के अनुसार नैनी में यमुना का जलस्तर 82.31 मीटर पहुंच गया था। इसके अलावा करीब तीन सेमी प्रति घंटा की रफ्तार से जलस्तर में बढ़ोतरी भी जारी थी। इसी तरह से फाफामऊ में गंगा का जलस्तर भी 82.40 मीटर पहुंच गया था। वहीं प्रति घंटा चार सेमी की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

राहत की बात इतनी जरूर है कि हथिनी कुंड बैराज से पानी कम छोड़ा जा रहा है। दिल्ली में भी पानी कम हो गया है लेकिन अभी प्रयागराज में यमुना के जलस्तर में दो दिन दिनों तक बढ़ोतरी के आसार हैं। इसके अलावा टोंस एवं केन भी उफान पर हैं। सिंचाई विभाग के अफसरों के अनुसार गंगा में पीछे से काफी पानी आ रहा है और जलस्तर में बढ़ोतरी अभी जारी रहेगी। अफसरों के अनुसार दोनों नदियों का जलस्तर 84 मीटर तक पहुंच सकता है। ऐसे में कई बस्तियां बाढ़ की चपेट में आ जाएंगी। एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह का कहना है कि दो स्थानों पर नावें चलानी पड़ी हैं। निचले इलाके के नजदीक के बाढ़ राहत शिविर तैयार कर दिए हैं।

बघाड़ा व नेवादा में बस्तियों तक पहुंचा पानी

कछार के लोगों को बाढ़ की आशंका फिर सताने लगी है। इस मानसून में तीसरी बार बस्तियों में पानी घुसने के आसर बन गए हैं। झूंसी की तरफ बदरा सोनौटी चारों तरफ से बाढ़ की चपेट में आ गया है और नावें चलानी पड़ीं हैं। करछना में भी एक गांव में नाव चलने लही है।

शहर की तरफ बघाड़ा एवं नेवादा कछार के निचले इलाके की बस्तियों तक पानी पहुंच गया है। देर रात तक बस्तियों में पानी घुसने की बात कही जा रही है। इसे देखते हुए बघाड़ा में एनी बेसेंट स्कूल तथा कैंट मैरिज हाल को बाढ़ राहत शिविर में तब्दील कर दिया गया है। हालांकि, देर शाम तक कोई पहुंचा नहीं था।

अफसरों के अनुसार दोनों नदियों का जलस्तर एक बार फिर 84 मीटर तक पहुंच सकता है। यदि ऐसा हुआ तो बघाड़ा, सलोरी, तेलियरगंज, बेली कछार, बेली उपरहार, राजापुर, गंगानगर, नेवादा, अशोक नगर आदि मोहल्लों में कछारी इलाके की बस्तियों में बाढ़ का पानी पहुंच जाएगा और हजारों लोग बेघर हो जाएंगे।

सड़कों पर जलभराव...517 परिवार हुए बेघर, दो दिन ओर बढ़ेगा जलस्तर

आगरा, एजेंसी। यमुना में आई बाढ़ से शनिवार को तटवर्ती क्षेत्रों के 517 परिवार बेघर हो गए। कैलाश से लेकर बल्केश्वर, मोती महल और नगला पैमा तक लोगों के घरों में पानी भर गया है। घरों में खाने-पीने से लेकर कपड़े, विद्युत उपकरण, फर्नीचर व अन्य सामान डूब गया। वॉटर वर्क्स पर यमुना का जलस्तर शनिवार शाम पांच बजे 499.2 फीट था, जो बाढ़ के निशान (499 फीट) से ऊपर था।

निचले इलाकों में करीब 50 हजार से अधिक आबादी के प्रभावित होने की आशंका है। जिला प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार 2000 लोगों को बाढ़ राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। कैलाश गांव में 15 घरों में दो से तीन फीट पानी भरा है। 50 से अधिक लोग घर छोड़कर अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ले चुके हैं। मोती महल में करीब 250 घर बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। इन घरों में रहने वाले एक हजार से अधिक लोगों को प्रशासन ने बाढ़ राहत शिविर में शरण लेने के लिए कहा है। बल्केश्वर के अनुराग नगर, जीवनी मंडी में कृष्णा नगर में रास्ते डूब गए हैं। मेहरा नहारगंज का संपर्क जिला मुख्यालय से कट चुका है। यहां 40 परिवार विस्थापित हुए हैं। ताजमहल के पीछे नगला पैमा स्थित गढ़ी बंगस में 10 घरों में पानी भर चुका है।

नगर निगम और प्रशासन ने शहरी सीमा क्षेत्र में 17 बाढ़ राहत शिविर बनाए हैं जिनमें करीब 1500 लोगों के रहने का इंतजाम है। इसके अलावा बल्केश्वर आईटीआई में बने अस्थायी शिविर में 500 लोग रह सकेंगे। हालांकि, बाढ़ प्रभावित लोग राहत शिविरों में शरण लेने के बजाय अपने रिश्तेदारों के घर जा रहे हैं। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि बाढ़ राहत शिविर में भोजन आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार अगले दो दिन यमुना के जलस्तर में वृद्धि होगी। शनिवार शाम पांच बजे मथुरा स्थित गोकुल बैराज से आगरा की तरफ 1.39 लाख क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा गया। यह 24 घंटे में आगरा पहुंच जाएगा। इसके अलावा ओखला बैराज से शनिवार को 1.92 लाख क्यूसेक और हथिनीकुंड बैराज से 48713 क्यूसेक पानी यमुना में आ रहा है।

15 साल से संबंध, नौ महीने पहले कोर्ट मैरिज.. अब सड़क पर पड़ी मिली युवती

आगरा, एजेंसी। आगरा के फतोहाबाद में थाना डौकी क्षेत्र में चलती कार से युवक ने प्रेमिका को सड़क पर फेंक दिया। इससे युवती घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

औरैया जिले के एक गांव की रहने वाली युवती ने पुलिस को बताया कि वह थाना डौकी क्षेत्र के टंकी चौराहा निवासी लवकुश वर्मा के साथ करीब 15 वर्षों से है। करीब 7 साल से लवकुश उसके साथ पत्नी की तरह आगरा के रामबाग के राधाकृष्ण मंदिर के पास रह रहा है।

लवकुश आगरा में भगवान टॉकीज पर स्पा सेंटर चलता है। युवती के मुताबिक लवकुश ने फोन पर बुलाया कि वह उसे अपने घर लेकर चलेगा। कार में बैठाकर उसे ले जाने लगा। आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर थाना डौकी क्षेत्र पूठाझील के पास लवकुश ने जान से मारने की नीयत से उसे कार से नीचे धक्का दे दिया। जिससे गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी पर राहगीर मौके पर पहुंचे और डौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया है। युवती का कहना है कि 9 माह पूर्व उसने लवकुश से कोर्ट मैरिज की है। वहीं बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले भी युवती लवकुश के घर गई थी और घर पर रहने की बात कर रही थी। घटना के बाद डौकी पुलिस ने लवकुश को हिरासत में ले लिया है। लवकुश युवती को साथ रखने पर राजी है।

थानाध्यक्ष डौकी ने बताया कि चलती कार से महिला को फेंका गया था। जिससे वह घायल हो गई है। आरोपी और कार को पकड़ लिया गया है। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नीतियों व कार्यक्रमों में सुधारवादी रवैया अपनाकर भारत का सम्मान बचाए सरकार : ट्रंप टैरिफ पर मायावती

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक माल एवेन्यू स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई। इसमें यूपी में संगठन की तैयारी, कमेटी गठन के साथ सर्वसमाज में पार्टी का जनाधार बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा देश के अंदर चल रहे ताजा घटनाक्रम पर भी बातचीत हुई।

इस अवसर पर सभी से बसपा के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई। बैठक में मायावती ने यूपी और अन्य राज्यों में धार्मिक स्थलों एवं उनके संतों, गुरुओं व महापुरुषों का निरादर करके सामाजिक, साम्प्रदायिक व राजनीतिक हालात बिगाड़ने की घटनाओं पर चिंता जताई।

उन्होंने अमेरिका द्वारा लगाए गए 'ट्रंप टैरिफ' से उभरी नई चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार को नसीहत दी है कि वह अपनी नीतियों व कार्यक्रमों में सुधारवादी रवैया अपनाएं। अन्यथा देश के दलितों की गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, अशिक्षा, घरों से दूर पलायन की विवशता आदि की समस्याएं और भी जटिल हो जाएंगी। इससे देश का मान-सम्मान भी दुनिया में प्रभावित होगा। इससे बचना बहुत जरूरी है।

पार्टी के बचे हुए कार्यों को पूरा करने के दिए निर्देश : उन्होंने पार्टी संगठन के गठन व जनाधार को जमीनी स्तर पर बढ़ाने के लिए जिला मुख्यालयों से लेकर बूथ स्तर पर कमेटी गठन को लेकर चलाए जा रहे अभियान के बारे में जानकारी ली। इस दौरान करीब 80 फीसदी लक्ष्य प्राप्त होने पर संतोष व्यक्त किया। बचे कार्यों को पूरा करने के लिए निर्देश दिए।

राजनीतिक चुनौतियों से संघर्ष के लिए रूपरेखा पर करेंगी चर्चा : बसपा सुप्रीमो ने कहा कि इस बार कांशीराम की पुण्यतिथि का कार्यक्रम 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' में होगा। इसमें वह खुद कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगी। इस दौरान आगे की राजनीतिक चुनौतियों से संघर्ष के लिए रूपरेखा पर भी चर्चा करेंगी।

किसी पार्टी की बजाये, अपने 'धर्म, समाज में 'आस्था रखो

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा अलीगढ़ के तत्वाधान में क्षत्रिय मिलन समारोह आज रामघाट रोड स्थित पराग रेस्टोरेंट में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सी पी सिंह राघव ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ बरौली विधायक माननीय जयवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेन्द्र सिह राजू ने क्षत्रिय सम्मेलन मे मुख्य वक्ता के रुप मे बोलते हुए अलीगढ़ के क्षत्रियो से कहा कि यदि भविष्य में "क्षत्रियों" के अशितत्व को बचाना चाहते हो, तो साधारण नहीं, कट्टर क्षत्रिय बनो और इतिहास को जानो, पढ़ो यही समय की मांग है।

मुख्य अतिथि पूर्व कैविनेट मंत्री जयवीर सिह ने कहा कि एकता में बहुत ताकत होती है..हर ठाकुर एक ही परिवार का हिस्सा है, मनभेद आपसी द्वेष ईर्ष्या आपस में ना रखें और समाज उत्थान में आगे आएं उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरिवंश सिह की जमकर प्रसंशा कर कहा कि सडक से संसद तक वह क्षत्रियो के लिए समर्पित हमेशा संघर्षरत है सामूहिक एकता जरुरी विधान परिषद सदस्य मानवेन्द्र सिह गुरु जी ने कहा कि योगी सरकार मे आपने देखा होगा...वहां न जाति का भेद है, न क्षेत्र का भेद है, न मत और मजहब का भेद है, न गरीब-अमीर का भेद है। उन्होंने कहा कि 31 अक्तूबर तक स्नातक वोट बनेगा अगले वर्ष एम एल सी निर्वाचन है प्रदेश अध्यक्ष दलवीर सिह तोमर ने कहा कि अलीगढ़ से दो युवा क्षत्रियो को प्रदेश देश मे स्थान मिले। हम प्रस्ताव रखना चाहते जिला अध्यक्ष अलीगढ़ के पद पर नेम सिह सोलकी का। प्रस्ताव पारस चौहान ने किया। सर्वसम्मति से उनका निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

वीरागंना मण्डल ममता सिंह, जिला अध्यक्ष वीरांगना,पूजा सेंगर, महानगर अध्यक्ष वीरांगना मधुरानी जादौन,युवा महानगर अध्यक्ष वीरांगना नेहा तोमर, शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष गौरी तोमर, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष पूनम चौहान, विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष लता राघव, कृषि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अलका सिंह, अतरौली तहसील अध्यक्ष गरिमा राघव की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष दलवीर तोमर ने कार्यक्रम में की। कार्यकारिणी की जिम्मेदारी ममता सिह को सौंप कर उन्होने कहा कि ब्रज प्रदेश मे बूथ श्तर तक संगठन बने।

आज का ऐतिहासिक कार्यक्रम उमडा जनसैलाव साक्षी है कि क्षत्रियो मे जागरूकता। कार्यक्रम मे जवां ब्लॉक प्रमुख हरेंद्र सिंह ने सभी को एक रहने को कहा। कार्यक्रम में मुन्ना ठाकुर, दीपेंद्र सिंह बझेड़ा, फकीरा, रक्षपाल सिंह, नरसिंह पाल सिंह ने भी वक्तव्य दिए। राहुल जादौन, राजू ठाकुर कानाउ, पार्षद राकेश ठाकुर, बीना चौहान, बबली जादौन, शिवानी राघव,युद्धवीर चौहान, प्रीति चौहान, प्रद्युम्न चौहान, जय सिंह, दुर्गेश सोलंकी, रश्मि राघव, वीरेश प्रधान, विपिन सोलंकी, शरद चौहान, प्रीति राठौर, नीतू पुंढीर, नीलम चौहान, गोपाल चौहान, प्रवेंद्र राणा, रॉबिन राणा, हरेंद्र चौहान, संजीबं सोलंकी, प्रद्युम्न सेंगर,राजेश चौहान, रामेंद्र तोमर, संदीप राघव, सोनू ठाकुर, रंजीत तोमर, धर्मवीर सिंह, राकेश चौहान, विवेक चौहान आदि सैकड़ों संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नैनी में घर के अंदर संचालित हो रहा था देह व्यापार, दो लड़कियां और दो युवकों को पुलिस ने पकड़ा

प्रयागराज , एजेंसी। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत एडीए कॉलोनी स्थित गेस्ट हाउस के पास एक भवन में देह व्यापार का रैकेट संचालित होने की जानकारी पर मोहल्ले वालों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा की सूचना पर नैनी पुलिस मौके पर पहुंची और मकान के अंदर से दो युवती ओर दो युवक को अपने साथ ले गई है। उक्त भवन किसी अधिकारी का बताया जा रहा है। अधिकारी से अशोक कुमार नामक युवक कमरा किराये पर लिया था।

एडीए कॉलोनी स्थित एक गेस्ट हाउस के पास एक भवन में बीते कुछ महीनों से कुछ संदिग्ध गतिविधियां हो रही थीं। इसे लेकर मोहल्ले वाले पहले भी शिकायत कर चुके थे। शनिवार रात 10:00 के आसपास उक्त भवन से दो युवक बाहर निकले और बाहर से दरवाजा बंद करते हुए शोर मचाने लगे। दोनों युवकों को शोर मचाता देख आसपास के लोग जुट गए। मोहल्ले वालों ने पूछा तो युवकों ने बताया कि अंदर देह व्यापार चल रहा है। जानकारी होते ही बड़ी संख्या में आसपास के लोग इकट्ठा हो गया और हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पर नैनी पुलिस मौके पर पहुंची, और कड़ी मशक्कत के बाद, घर के अंदर से दो युवती और दो युवकों को अपने साथ ले गई। मोहल्ले वालों ने बताया कि दो माह पहले भी इसी भवन में किसी बात को लेकर हंगामा हुआ था।

नैनी पुलिस ने बताया कि उक्त मकान को अशोक कुमार नामक युवक किराए पर लेकर यहां पर रैकेट का संचालन किया करता था। पकड़ी गई महिलाओं ने बताया कि वह यहां पर अशोक के बुलाने पर आया करती थीं। एक महिला बेगूसराय बिहार की और दूसरी महिला कोलकाता की रहने वाली है। शनिवार को ही वह यहां पहुंची थी। वही मामले में नैनी पुलिस विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

पुलिस कप्तान कार्यालय और प्रेस क्लब की नाक के नीचे सुरा के खुले ओपन बार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पुलिस लगातार चेकिंग का दावा कर रही है, लेकिन सड़क किनारे जाम छलकाते युवा इनकी नजरों से दूर हैं। शराब की बिक्री बढ़ाने को सड़क किनारे ही ओपन बार खुलवा दिए हैं।

नगर में संचालित बीयर व शराब की दुकानें भी बार का रूप ले चुकी हैं। दुकान के अंदर बैठाकर शराब व बीयर पिलाने पर भले ही विभाग की पाबंदी हो, लेकिन दुकानों के बाहर बेखौफ मदिरापान कराया जा रहा है।

थाना सिविल लाइन क्षेत्र के तस्वीर महल चौराहे के पास प्रेस क्लब और पुलिस कप्तान कार्यालय के की नाक के नीचे सड़क किनारे बैठकर शराब पीते युवाओं को देखा जा सकता है। सड़क किनारे स्टूल व कुर्सी डाल ओपन बार खोल दिए हैं, जबकि दुकान के अंदर बैठाकर शराब पिलाने के लिए विभाग द्वारा बार या मॉडल शॉप का लाइसेंस प्रदान किया जाता है।

ठेकों पर शाम का अंधेरा छाते ही सुरा प्रेमियों का जमावड़ा लगना शुरु हो जाता है। नमकीन, पानी के पाउच और गिलास की बिक्री के लालच में ठेका संचालक और दुकानों पर ग्राहकों को दुकान के अंदर ही बैठाकर शराब और बीयर पिला रहे हैं। अधिकांश ठेके ऐसी जगहों पर स्थापित हैं जहां से महिलाओं, युवतियों का भी आना जाना लगा रहता है। शराब के नशे में ये महिलाओं पर फब्तियां कसने लगते हैं।

अंडों की ठेल बनी मुफीद

अधिकांश अंडे की ठेल भी शराबियों के लिए मुफीद जगह बनकर रह गई हैं। ठेलों पर शराबी जाम से जाम टकराते देखे जा सकते हैं, लेकिन इस ओर किसी ने ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा।

सड़क व चौराहों पर खुलेआम शराबखोरी, सो रही पुलिस

पुलिस शहर को अपराध से मुक्त करने की तमाम योजनाएं तो बनाती है, लेकिन प्रमुख सड़कों व चौराहों के किनारे चल रहे ओपन बार को रोकने की कोशिश नहीं करती।

शाम ढलते ही देशी-विदेशी शराब की दुकानों के सामने शराब के शौकीन बोतल खोलकर पैग बनाने लगते हैं। देर रात तक यहां का माहौल ओपन बार जैसा बना रहता है। यहीं जमा होते हैं बलात्कार करने, चेन लूटने वाले अपराधी, जो नशा चढ़ने के बाद अपराध को अंजाम देने निकल पड़ते हैं।

कभी-कभी होती है कार्रवाई

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने से रोकने की कार्रवाई आबकारी विभाग कभी-कभी करता है। पुलिस भी अनदेखी करती है। किसी ने नहीं रोका तस्वीर महल के सामने शराब दुकान के बाहर सड़क किनारे खड़े होकर प्लास्टिक के ग्लास शराब पीने लगे। इस दौरान न तो इन युवकों को शराब दुकानदार ने रोकने की कोशिश की और न किसी पुलिस जवान ने चेक किया।

यह स्थिति यहां प्रतिदिन सुबह से शाम सात से रात 10 बजे तक बनी रहती है। पुलिस के जवान ने रोकने की कोशिश नहीं की एक युवक सड़क पर खड़े होकर बीयर की बोतल मुंह में लगाए था। पुलिस का एक जवान कुछ दूरी पर खड़ा था, लेकिन उसने उसे रोकना व पकड़ना जरूरी नहीं समझा। शायद यही वजह है कि यहां लोग खुलेआम शराब पीते हैं।

बीट इंचार्ज लेते हैं सुविधा शुल्क

शहर के लगभग सभी अंडे के ठेलों पर शाम सात बजे के बाद अंडे के साथ शराब के पैग शुरू हो जाते हैं।

दुकान वालों से बीट प्रभारी वसूलते सुविधा शुल्क

इन ठेला चालकों से संबंधित थानों के बीट इंचार्ज मासिक या प्रतिदिन के हिसाब से अपना सुविधा शुल्क वसूलते हैं। इस शुल्क में कौन-कौन हिस्सेदार होता है, यह अफसर ही बता सकते हैं। इस कारण लोग ठेलों पर या इसके सामने खड़े होकर शराब पीने लगते हैं। रोज शाम होते ही ठेलों पर भीड़ उमड़ने लगती है, जो देर रात तक रहती है।

ग्रैंडस्लैम में 100वीं जीत के साथ सबालेंका ने बरकरार रखा यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमांडा एनिसोवा को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। सबालेंका ने महिला एकल के फाइनल में एनिसोवा को एक घंटे 34 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 7-6(3) से हराया। सबालेंका का यह चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब है।

नंबर एक का ताज बरकरार

सबालेंका ने फाइनल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 13 विनर्स लगाए और 15 बेजां भूलें की। दूसरी ओर, एनिसोवा ने 29 बेजां भूलें की और सात डबल फॉल्ट किए। पहले सेट में कड़े संघर्ष के बाद सबालेंका ने अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल किया। दूसरे सेट में भी सलाबेंका अमेरिकी युवा अनिसिमोवा से बीस साबित हुई और उन्होंने लगातार सेटों में जीत दर्ज की। सबालेंका ने इस दौरान चार बार सर्विस गंवाई, हालांकि खिताबी जीत के साथ उन्होंने नंबर एक का ताज भी बरकरार रखा है, जबकि हार के बावजूद एनिसोवा चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगी।

शुरुआती चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते

सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस मामले में उन्होंने नाओमी ओसाका और किम क्लीस्टर की बराबरी कर ली है। ओसाका ने अपने करियर में यूएस ओपन (2018 और 2020) तथा ऑस्ट्रेलियान ओपन (2019, 2021) जीते हैं। क्लीस्टर ने 2005, 2009 और 2010 में यूएस ओपन तथा 2011 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था।

सेरेना विलियम्स की बराबरी पर पहुंचीं

सबालेंका ओपन एरा की दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने फाइनल में अपने ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मुकाबला जीता है। इससे पहले यह उपलब्धि इगा स्वियातेक ने विंबलडन के दौरान हासिल की थी। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल में एनिसोवा को हराकर ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मैच जीता। वहीं, 2012-2014 में सेरेना विलियम्स के बाद यूएस ओपन के महिला एकल वर्ग में लगातार दो खिताब जीतने वाली सबालेंका पहली खिलाड़ी हैं। सबालेंका से पहले ओपन एरा में चुनिंदा खिलाड़ियों ने ही यह उपलब्धि हासिल की है। इस सूची में सेरेना विलियम्स (2012-2014), किम क्लीस्टर (2009-2010), वीनस विलियम्स (2000-2001), मोनिका सेलेस (1991-1992), स्टेफी ग्राफ (1988-1989, 1995-1996), मार्टिना नावरातोलोवा (1983-1984, 1986-1987) और क्रिस एवर्ट (1975-1978) शामिल हैं।

महिला एशिया कप 2025:

भारत और जापान के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ रहा

हांगझोउ, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने हॉकी एशिया कप में दमदार प्रदर्शन करते हुए जापान के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ करा लिया। भारत के लिए रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) और नवनीत कौर (60वें मिनट) ने गोल किए। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) और चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। थाईलैंड के खिलाफ पहला मैच टीम इंडिया ने 11-0 से जीता था। मैच में भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की थी, लेकिन जापान की रक्षात्मक पंक्ति ने शानदार तरीके से भारतीय आक्रमण को रोका। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) ने पहला गोल किया। जापान ने 1-0 की बढ़त बना ली और पहले क्वार्टर में भारत पर बढ़त बनाए रखी। ब्रेक के बाद, भारतीय टीम ने बराबरी के लिए आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) ने गोल किया और मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। ब्रेक तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। दूसरे हाफ की शुरुआत में दोनों टीमें सतर्क रुख अपनाते हुए खेलीं ताकि कोई भी बढ़त न खो दे। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जोरदार प्रहार किए लेकिन ब्रेक तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। अंतिम क्वार्टर में, दोनों टीमों ने निर्णायक जीत की तलाश में आक्रमण को तेज किया। जापान का दबाव शुरुआत में ही रंग लाया और उन्होंने अंतिम हूटर से कुछ मिनट पहले गोल कर दिया। चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और उन्होंने गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। भारत के लिए नवनीत कौर पेनल्टी कॉर्नर पर (60वें मिनट) गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम ने 2-2 से बराबरी हासिल की और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत का अगला मुकाबला 8 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे सिंगापुर से होगा।

एशिया कप 2025:

भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने नहीं मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप का बुखार चढ़ने लगा है. 9 सितंबर से टूर्नामेंट शुरू है. भारत और पाकिस्तान का मुकाबला इसमें हालांकि 14 सितंबर को है. मगर उससे पहले दोनों चिर-प्रतिद्वन्दी दुबई के आईसीसी एकेडमी के ग्राउंड पर प्रैक्टिस करते दिखे. दोनों टीमों की प्रैक्टिस के लिए मैदान एक ही था, बस नेट्स अलग-अलग थे.

इस बीच ऐसी रिपोर्ट है कि एक ही मैदान पर प्रैक्टिस के बावजूद भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाए. रिपोर्ट के मुताबिक, एक ही मैदान पर प्रैक्टिस के बावजूद भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाने की वजह उनके एक-दूसरे से मुलाकात का ना होना हो सकता है. पाकिस्तान की टीम जब दुबई के आईसीसी एकेडमी पर पहुंची, तो उस वक्त वहां टीम इंडिया पहले से ही

दोनों टीमों ने एक ही मैदान पर की प्रक्टिस

प्रैक्टिस कर रही थी. पाकिस्तान खिलाड़ियों ने नेट्स पर पसीना बहाते भारतीय खिलाड़ियों को देखा भी. उसके बाद वो अपनी ट्रेनिंग और ड्रिलिंग में लग गए.

एशिया कप से पहले पाकिस्तान ने की ट्राई-सीरीज फाइनल की तैयारी

पाकिस्तान की टीम 6 सितंबर की शाम 7 बजे के बाद दुबई के आईसीसी एकेडमी पहुंची थे. उनके वहां पहुंचने का मकसद एशिया कप से पहले ट्राई-सीरीज के फाइनल के लिए खुद को ट्रेन करने का था. टी20 ट्राई सीरीज के फाइनल में पाकिस्तान का मुकाबला अफगानिस्तान से है. अफगानिस्तान की टीम इस सीरीज में हार का कड़वा घूंट पिला चुकी हैं, इसलिए पाकिस्तान की टीम फाइनल को लेकर थोड़ा ज्यादा सतर्क नजर आई.

14 सितंबर को एशिया कप में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

एशिया कप का आगाज 9 सितंबर से है. मगर उसमें भारत अपने अभियान का आगाज जहां 10 सितंबर को करेगा. वहीं पाकिस्तानी टीम 12 सितंबर को अपना पहला मैच खेलेगी. उसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान, एशिया कप 2025 के अपने-अपने दूसरे मैच में आमने-सामने होंगे. दोनों चिर-प्रतिद्वन्दियों के बीच वो मुकाबला दुबई में ही खेला जाना है.

बीसीसीआई ने 5 सालों में की रिकॉर्डतोड़ कमाई, पिछले साल कमाए 4,193 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को मौजूदा समय में विश्व का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड कहा जाता है. दुनिया का कोई भी क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई से ज्यादा पैसा नहीं कमाता है. यही वजह है कि भारतीय क्रिकेटरों को भी दुनियाभर में सबसे ज्यादा सैलरी मिलती है. बीसीसीआई की इनकम को लेकर एक ताजा रिपोर्ट सामने आई है, जो वाकई हैरान करने वाली है. रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में बंपर कमाई की है. बीसीसीआई ने पिछले 5 सालों में 14,627 करोड़ रुपये कमाए हैं. इनमें से 4,193 करोड़ रुपये पिछले वित्तीय वर्ष में ही आए हैं. इस प्रकार बीसीसीआई का बैंक बैलेंस 20,686 करोड़ रुपये हो गया है. एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है.

चक्रिकबज' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य इकाइयों को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के बाद भी, सामान्य कोष में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई और 2019 में यह कोष 3,906 करोड़ रुपये का था, जो 2024 में बढ़कर लगभग दोगुना यानी 7,988 करोड़ रुपये हो गया है. ये आंकड़े राज्य एसोसिएशन के साथ शेयर किए गए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में पेश किए गए लेखा-जोखा में कहा गया है कि मानद सचिव ने सदस्यों को बताया कि 2019 से बीसीसीआई की नकद और बैंक में जमा राशि 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये हो गई है. इसमें कहा गया है कि 6,059 करोड़ रुपये तब थे जब राज्य क्रिकेट संघों को भुगतान नहीं किया गया था, जबकि 20,686 करोड़ रुपये राज्य क्रिकेट संघों का बकाया भुगतान करने के बाद हैं.

बीसीसीआई को जल्द मिलेगा नया अध्यक्ष

बीसीसीआई में चुनाव 28 सितंबर को होंगे, उसी दिन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पदों पर नई नियुक्ति होगी. बता दें कि बोर्ड के प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी की उम्र 70 से ज्यादा हो गई है, इसलिए उन्हें अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा है. अब जल्द बीसीसीआई को नया अध्यक्ष मिलेगा.

एशिया कप हॉकी:

भारत का जलवा, चीन पर 7-0 की धमाकेदार जीत से फ़ाइनल में प्रवेश

राजगीर, एजेंसी। भारत ने एशिया कप हॉकी 2025 के सुपर-4 चरण के अपने आख़िरी मैच में चीन को 7-0 से रौंदकर फ़ाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया का आत्मविश्वास चरम पर पहुँच गया है। फ़ाइनल में उसका मुकाबला मेज़बान दक्षिण कोरिया से होगा। पहले हाफ़ से ही भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली थी। शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और मंदीप सिंह ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को 3-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ़ में भारत का आक्रामक अंदाज़ और तेज़ हुआ। राजकुमार पाल और सुखजीत सिंह ने गोल दागे, जबकि अभिषेक नैन ने दो गोल कर चीन को पूरी तरह बैकफ़ुट पर धकेल दिया। भारत अब चौथी बार एशिया कप जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। दिलचस्प बात यह है कि टीम दूसरी बार घरेलू धरती पर इस खिताब को जीतने की कोशिश करेगी।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप:

पहले दौर से बाहर होने के बाद मुक्केबाज लवलीना ने ट्रेनिंग पर जताई निराशा, खड़े किए सवाल

लिवरपूल, एजेंसी। लवलीना ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन का प्रदर्शन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अच्छा नहीं रहा था और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लवलीना ने ट्रेनिंग पर निराशा जताई और सवाल खड़े किए। लवलीना ने ट्रेनिंग के कम अवसर मिलने पर सवाल खड़े किए और कहा कि उन्हें हमेशा वह ट्रेनिंग नहीं मिलती जो उन्हें चाहिए होती है। एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करने वाली टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना शनिवार को 75 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तुर्किये की बुसरा इस्लिदार के खिलाफ 0-5 की हार के दौरान लय में नहीं दिखी। इस 27 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की।

लवलीना ने एक्स पर लिखा, एक साल बाद मैंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं अपने पहले ही मुकाबले में हार गई, इससे पीड़ा पहुंचती है। मुझे खेद है कि मैं इस बार ऐसा नहीं कर पाई। लेकिन सभी जानते हैं कि मैं कभी भी किसी और चीज के लिए नहीं लड़ती, सिर्फ अपनी ट्रेनिंग के लिए। मैं कभी विलासिता की चीजें नहीं मांगती। मैं सिर्फ अच्छी ट्रेनिंग मांगती हूं।

लवलीना ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह मौजूदा कोच की आलोचना नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं मौजूदा कोच और टीम के सदस्यों को दोष नहीं दे रही। उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और मेरी मदद करने की कोशिश की है। लेकिन हां, कुछ नया सीखने में हमेशा थोड़ा और समय लगता है।

लवलीना बोलीं- बार-बार खुद को साबित करना पड़ता है

उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक से पहले हमारे पास अच्छे अंतरराष्ट्रीय शिविर थे। मैं ट्रेनिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्पारिंग जोड़ीदार के लिए अनुरोध करती थी लेकिन पेरिस ओलंपिक से पहले मुझे बहुत कम प्रतियोगिताएं और बहुत कम अंतरराष्ट्रीय शिविर का मौका मिला। अच्छे जोड़ीदार के बिना मैं खुद को कैसे बेहतर बना सकती हूं? पेरिस ओलंपिक में भी मैं अकेली थी। मुझे खुद को बार-बार साबित करना पड़ता है। और सभी जानते हैं कि खेल में मानसिक शक्ति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शारीरिक शक्ति। फिर भी अपने देश के लिए सब कुछ देने के बाद भी मुझे हमेशा वह ट्रेनिंग या कोच नहीं मिलता जो मुझे सच में चाहिए। मैं हर लड़ाई में अकेले ही मुश्किलों का सामना करती हूं। मुझे बताओ क्या यह सही है कि मैं

आर्चरी: भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने रचा इतिहास

गवांग्जू, एजेंसी। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है।

भारतीय टीम ने विश्व चैंपियनशिप में रविवार को फ्रांस को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारत ने फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्किये पर भी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

इससे पहले, ज्योति सुरेखा वेनम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम जोड़ी को फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ 155-157 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके बाद सैनी और प्रथमेश के साथ मिलकर पुरुष कम्पाउंड टीम का खिताब अपने नाम किया। तीसरे सेट के बाद स्कोर 176-176 पर बराबर था, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में 59 अंक बटोरी, जबकि फ्रांस 57 अंक ही हासिल कर सकी। इस तरह भारत ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बिहार के उमेश विक्रम ने पूरी दुनिया में लहराया परचम...

पैरा बैडमिंटन में बन गए वर्ल्ड नंबर1

जमशेदपुर, एजेंसी। भारत के लिए पैरा बैडमिंटन में बड़ी खबर है। बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले और जमशेदपुर से जुड़े उमेश विक्रम कुमार दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी बन गए हैं। बीडब्ल्यूएफ की जारी ताजा रैंकिंग में उन्हें पुरुष एकल वर्ग में विश्व नंबर 1 घोषित किया गया है। यह भारत और खासकर बिहार- झारखंड के लिए गर्व का बड़ा पल है।

पूरा साल रहा उमेश विक्रम के नाम

साल 2025 उमेश विक्रम के लिए शानदार रहा। उमेश विक्रम कुमार ने जनवरी में मिस्र की चैम्पियनशिप में उन्होंने एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता। इसके बाद मार्च में स्पेन चैम्पियनशिप में रजत, मई में दुबई चैम्पियनशिप में एकल और युगल दोनों में रजत और जून में बहरीन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया।

दुनियाभर में जीते मेडल

इसके बाद भी उनका प्रदर्शन जारी रहा। थाईलैंड में एशियन पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप में कांस्य, जुलाई में ब्रिटिश एंड आयरिश इंटरनेशनल में रजत और अगस्त में पेरू इंटरनेशनल में कांस्य जीता। बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में भी उन्होंने पुरुष युगल में दो कांस्य पदक अपने नाम किए। इतनी लगातार सफलता के बाद उमेश विक्रम को दुनिया का नंबर 1 घोषित किया गया। अपनी खुशी जताते हुए उमेश ने कहा कि यह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। उसने बताया कि इस सफलता के पीछे मेरे परिवार, मेरे कोच और टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट का बड़ा हाथ है। यहां की सुविधाओं ने मेरे खेल को नई ऊंचाई दी है।'